पेज : 4

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

सबसे बड़ी खबर

भव्य खबर

RNI No.- DELHIN/2016/68043

नई दिल्ली संस्करण, नई दिल्ली, शुक्रवार, 21 मार्च 2025, वर्ष : 8, अंक : 355 पृष्ठ : 08, मूल्य : 02 रुपया

नई दिल्ली से प्रकाशित व दिल्ली, एनसीआर, यूपी, उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब, बिहार, झारखण्ड, महाराष्ट्र, गुजरात में प्रसारित

UP GLOBAL INVESTORS SUMMIT
New India's Growth Engine
योगी सरकारः 8 साल बेमिसाल

एमसीडी बजट पार्षदों की विकास निधि दोगुनी, 12 हजार कर्मियों के वेतन को 800 करोड़ का नया मद; ये प्रस्ताव हुए पारित

नई दिल्ली (एजेंसी): दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) का सदन का बजट पारित हो गया है। बुधवार को हुई निगम सदन की विशेष बैठक में हंगामे के बीच नेता सदन मुकेश गोयल ने बजट पेश किया। हंगामा इतना हो गया कि वह बजट पढ़ ही नहीं पाए। इस बीच बजट में संशोधन के लिए रखे गए 31 में 12 प्रस्ताव पारित हो गए। इसमें छह प्रस्ताव भाजपा के पास हुए हैं तो वहीं छह प्रस्ताव आप के पास हुए हैं। इसमें आप ने अस्थायी कर्मचारियों को नियमित करने व वेतन देने के लिए लिए 800 करोड़ रुपये का बजटीय प्रविधान करते हुए अलग मद बनाने प्रस्ताव पारित किया गया है। साथ ही पार्षदों के क्षेत्रीय विकास निधि को 75 लाख से बढ़ाकर 1.55 करोड़ रुपये करने का प्रविधान किया गया है। निगम ने 2024-25 के लिए

14746.15 करोड़ की आय संशोधित बजट अनुमान पारित किया है जबकि व्यय के लिए 15767.77 करोड़ रुपये का व्यय का अनुमान जताया है। इसी तरह 2025-26 के लिए 16701.94 करोड़ की आय का अनुमान जताया है तो वहीं 17002.66 करोड़ व्यय का अनुमान जताया है। निगम सदन की बैठक जैसे ही दोपहर तीन बजे शुरू हुई तो वैसे ही पहले कांग्रेस के पार्षद महापौर के आसन के पास लोकतंत्र की हत्या का आरोप लगाते हुए पहुंच गए। इसी बीच कांग्रेस दल की नेता नाजिया दानिश ने महापौर के आसन के माइक खीचने का प्रयास किया। धीरे-धीरे भाजपा पार्षद भी इसमें शामिल हो गए। नेता सदन मुकेश गोयल ने जैसे ही बजट पढ़ना शुरू किया तो उनसे भाषण की प्रति छीनने की कोशिश की। इसी बीच नेता सदन को बचाने के लिए आप पार्षदों ने भी गोयल के चारो तरफ घेरा बना लिया। इससे भाजपा और आप के पार्षदों में धक्का मुक्की तक की नौबत आ गई। भाजपा पार्षद महापौर के आसन पर भी चढ़ गए। हंगामा बढ़ता देख सदन को दस मिनट के लिए स्थगित करना पड़ा। इसके बाद पुनः शुरू हुई बैठक में बैठक की कार्रवाई को स्वीकार किया गया। बैठक के बाद महापौर महेश कुमार ने प्रेसवार्ता में कहा कि उनको सदन में दबाने की कोशिश हुई साथ ही एक महिला पार्षद ऊषा शर्मा को चोट भी आई है। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने पूरी बजटीय प्रक्रिया को बाधित किया गया। आप पार्षदों द्वारा रखें गए यह प्रस्ताव पारित हुए 75 लाख से बढ़ाकर पार्षदों की क्षेत्री विकास निधि को डेढ़ करोड़ करने का प्रविधान 121 विभिन्न विभागों के कर्मचारियों के पद समाप्त करने का निगमायुक्त का प्रस्ताव निरस्त 11 करोड़ रुपये का सामुदायिक भवनों की मरम्मत के लिए बजटीय प्रविधान 3 लाख रुपये नेता विपक्ष के कार्यालय के खर्च में वृद्धि 1 एक लाख रुपये नेता सदन के कार्यालय के खर्च में वृद्धि भाजपा पार्षदों द्वारा रखे गए यह प्रस्ताव पारित हुए 1 करोड़ रुपये का अतिरिक्त प्रविधान स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत के लिए 50 लाख रुपये का अतिरिक्त फंड पार्कों के ट्यूबलवैल की मरम्मत के लिए 5 करोड़ रुपये का अतिरिक्त फंड सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लाभांस देने के लिए 2 करोड़ रुपये का अतिरिक्त फंड स्कूलों की मरम्मत के लिए 25 लाख रुपये का अतिरिक्त फंड महिला शौचालयों की मरम्मत के लिए

उसकी राशि कहा खर्च हुई हम इसकी जांच कराएंगे

आप के पास न नीति है और न ही नीयत। आप अल्पमत थी, इसकी वजह से हमने महापौर से पार्षदों की गिनती कराने की मांग की थी लेकिन महापौर ने बात नहीं मानी और आप पार्षदों ने हंगामा किया। आप सरकार में 500-500 करोड़ रुपये का जो महापौर का विवेकाधिकार फंड बनाया था उसकी राशि कहा खर्च हुई हम इसकी जांच कराएंगे।

भाजपा ने जारी किया तीन लाइन का व्हिप, अपने सभी सांसदों को लोकसभा में मौजूद रहने को कहा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने गुरुवार को अपने सभी लोकसभा सांसदों को तीन लाइन का व्हिप जारी किया है। पार्टी ने केंद्रीय बजट 2025-26 पारित होने के लिए सदन में उपस्थित रहने को कहा। पार्टी ने अपने पत्र में कहा, "लोकसभा में सभी भाजपा सदस्यों को सूचित किया जाता है कि शुक्रवार को सदन में 2025-26 के लिए अनुदान की विभिन्न मांगों को पारित करने के लिए विचार किया जाएगा। इसलिए, लोकसभा में भाजपा के सभी सदस्यों से अनुरोध है कि वे पूरे दिन सदन में उपस्थित रहें और सरकार के रुख का समर्थन करें।

नितिन गडकरी की बड़ी घोषणा, छह महीने में पेट्रोल कारों के दाम पर मिलेंगे इलेक्ट्रिक वाहन

नई दिल्ली (एजेंसी): केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि छह महीने के भीतर देश में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की कीमतें पेट्रोल वाहनों के बराबर हो जाएंगी। 32वें कन्वर्जेंस इंडिया और 10वें स्मार्ट सिटीज इंडिया एक्सपो को संबोधित करते हुए नितिन गडकरी ने यह बात कही। दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य पूरा होने के करीब उन्होंने कहा कि 212 किलोमीटर लंबे दिल्ली-देहरादून एक्सेस कंट्रोल्ड एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य अगले तीन महीनों में पूरा हो जाएगा। साथ ही केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि सरकार की नीति आयात विकल्प, लागत प्रभावशीलता, प्रदूषण मुक्त और

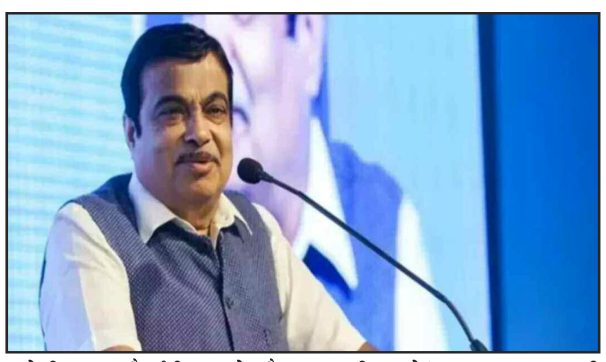

स्वदेशी उत्पादन है। ईवी अपनाने और बुनियादी ढांचे के विकास पर जोर केंद्रीय मंत्री गडकरी ने आगे कहा कि भारत को तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए देश को अपने बुनियादी ढांचे क्षेत्र में सुधार करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि अच्छी सड़कें बनाकर हम अपनी रसद लागत को कम कर सकते हैं। इसके साथ ही नितिन गडकरी ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था का भविष्य बहुत अच्छा है और सरकार स्मार्ट शहरों और स्मार्ट परिवहन के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि हम बिजली पर आधारित तीव्र जन परिवहन पर काम कर रहे हैं। नितिन गडकरी ने सड़क निर्माण की लागत कम करने के लिए नई प्रौद्योगिकी और नवाचार को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने घोषणा की है कि भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की कीमतें अगले छह महीनों में पेट्रोल वाहनों के बराबर हो जाएंगी। नई दिल्ली में 32वें कन्वर्जेंस इंडिया और 10वें स्मार्ट सिटीज इंडिया एक्सपो में बोलते हुए

दुष्कर्म के आरोपी की याचिका में लिखा सहमति से संबंध, सुप्रीम कोर्ट ने वकील से पूछा- आपको कानून की ABCD पता है?

नई दिल्ली (एजेंसी): जमानत याचिका में बार-बार सहमति संबंध लिखना एक वकील को भारी पड़ गया। सुप्रीम कोर्ट ने वकील को फटकार लगाई और कहा कि आपको कानून की एबीसीडी नहीं पता है। नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के आरोपी की जमानत याचिका में वकील ने बार-बार सहमति से संबंध का जिक्र कर रखा था। इससे सुप्रीम कोर्ट की पीठ नाराज हो गई। पीठ वकील को यह बताना चाहती थी कि यदि पीड़िता नाबालिग है तो सहमति मायने नहीं रखती है। हालांकि बाद में वकील ने पीठ से माफी भी मांगी। इसके बाद शीर्ष अदालत ने पुलिस और अन्य को जमानत याचिका पर नोटिस जारी किया। पीठ ने पूछा- लड़की की उम्र क्या है? जस्टिस एन कोटिश्वर और जस्टिस सूर्यकांत की पीठ ने गुरुवार

को जमानत याचिका पर सुनवाई की। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि याचिका पढ़ने के बाद हम मानसिक तौर से बीमार हो गए। आपने एसएलपी (विशेष अनुमति याचिका) में कम से कम 20 बार 'सहमति से संबंध' लिख रखा है। जस्टिस सूर्यकांत ने पूछा कि लड़की की उम्र क्या है? याचिका में आपने खुद ही नाबालिग बता रखा है। जस्टिस सूर्यकांत ने वकील से कहा कि आपने हर पैराग्राफ में 'सहमति से संबंध' लिखा है। सहमति से संबंध से आपका क्या मतलब है? आपको कानून की एबीसीडी नहीं पता है। आप एसएलपी दाखिल क्यों कर रहे हैं। ये लोग कैसे एओआर के लिए योग्य हैं सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने पूछा कि क्या आप एओआर (एडवोकेट-ऑन-रिकॉर्ड) हैं? पीठ ने आगे कहा कि ये लोग (एओआर के लिए) कैसे योग्य हैं? आप को बुनियादी कानून की जानकारी नहीं है।

20 बार आपने 'सहमति से संबंध' लिख रखा है। कल को आप कहेंगे कि 8 महीने के बच्चे के साथ भी सहमति से संबंध थे। क्या होते हैं एओआर? एओआर यानी एडवोकेट-ऑन-रिकॉर्ड वे वकील होते हैं, जिन्हें सुप्रीम कोर्ट में मामले और याचिका दाखिल करने का अधिकार होता है। सुप्रीम कोर्ट ही वकीलों के लिए एओआर परीक्षा का आयोजन करता है।

अगले साल 31 मार्च से पहले नक्सल-मुक्त होने वाला है देश: अमित शाह

नई दिल्ली (एजेंसी): केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों की ओर से 22 नक्सलियों को मार गिराए जाने को बड़ी सफलता' करार दिया और दावा किया कि अगले साल 31 मार्च से पहले देश नक्सल-मुक्त होने वाला है। ज्ञात हो कि छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच बृहस्पतिवार सुबह हुई मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने 18 नक्सलियों को और कांकेर जिले में चार नक्सलियों को मार गिराया। इन घटनाओं में एक जवान की जान भी चली गई। अमित शाह ने ह्यएक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि, नक्सलमुक्त भारत अभियान' की दिशा में आज हमारे जवानों ने एक और बड़ी सफलता हासिल की है। छत्तीसगढ़ के बीजापुर और कांकेर में हमारे सुरक्षा बलों के 2 अलग-अलग ऑपरेशन में 22 नक्सली मारे गए।" उन्होंने कहा, मोदी सरकार नक्सलियों

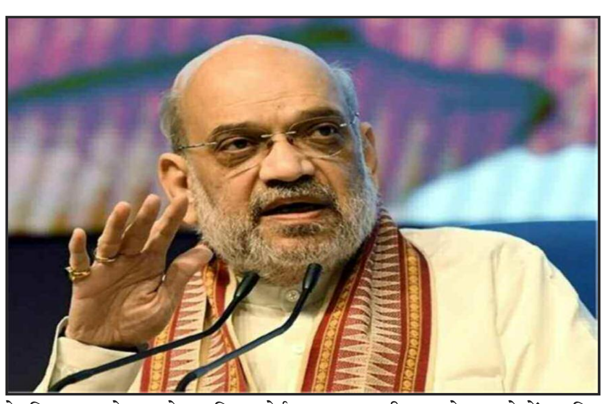

के विरुद्ध रुथलेस अप्रोच (बिना कोई रहम किए) से आगे बढ़ रही है और समर्पण से लेकर समावेशन की तमाम सुविधाओं के बावजूद जो नक्सली आत्मसमर्पण नहीं कर रहे हैं, उनके खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपना रही है। अगले साल 31 मार्च से पहले देश नक्सल-मुक्त होने वाला है।" उत्तर प्रदेश के मेरठ में हुई सौरभ राजपूत की हत्या के मामले में हर दिन नए खुलासे हो रहे हैं। वहीं, अब मामले में सौरभ की मां ने एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि सौरभ की छह साल की बेटी बार-बार पड़ोसियों से कह रही थी कि "पापा ड्रम में हैं", लेकिन किसी ने भी उस वक्त बच्ची की बात पर विश्वास नहीं किया।

हरियाणा को जल्द मिलेगा आईआईटी, केंद्र ने नायब सरकार से मांगी जमीन; अपने इलाके में लाने के लिए जुटे बीजेपी के पांचों एमपी

चंडीगढ़ (एजेंसी): हरियाणा में जल्दी प्रदेश का पहला इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलाजी (आईआईटी) बनने जा रहा है। केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने हरियाणा में आईआईटी के निर्माण संबंधी प्रस्ताव को सैद्धांतिक मंजूरी प्रदान कर दी है। अब हरियाणा सरकार इस प्रस्ताव को सिरे चढ़ाने के लिए उपयुक्त तथा अनुकूल जमीन की व्यवस्था करेगी। हरियाणा में जमीन मिलना काफी चुनौतीपूर्ण काम है। राज्य में तीन केंद्रीय मंत्रियों मनोहर लाल, कृष्णपाल गुर्जर और राव इंद्रजीत समेत भाजपा के पांच सांसद हैं। पांच सांसद कांग्रेस के हैं। ऐसे में मनोहर लाल के करनाल, कृष्णपाल गुर्जर के फरीदाबाद, राव इंद्रजीत के गुरुग्राम, चौधरी धर्मबीर सिंह के भिवानी-महेंद्रगढ़ और नवीन जिंदल के कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र में से किसी एक में आईआईटी की स्थापना होनी तय है। केंद्र का पत्र मिलने के बाद तकनीकी शिक्षा विभाग के निदेशक की तरफ से प्रदेश के सभी जिला उपायुक्तों को पत्र लिखकर कम से कम 300 एकड़ जमीन

आईआईटी के लिए चिन्हित करने को कह दिया गया है। हरियाणा में पहले भी कई बड़ी परियोजनाएं जमीन के अभाव में सिरे नहीं चढ़ सकी हैं। आईआईटी की इस बड़ी परियोजना के लिए एक ही स्थान पर 300 एकड़ जमीन की जरूरत पड़ेगी। अलग-अलग स्थानों पर जमीन का चयन कर प्रदेश सरकार द्वारा प्रस्ताव बनाकर केंद्र को भेजा जाएगा। इसके बाद केंद्रीय मानव संसाधन मंत्रालय की टीम द्वारा हरियाणा का दौरा कर किसी एक जमीन पर प्रोजेक्ट को स्वीकृति दी जाएगी। यह विभाग धर्मेंद्र प्रधान का है, जो कि विधानसभा चुनाव में हरियाणा के प्रभारी भी रहे हैं। कुरुक्षेत्र में बनने की संभावना अधिक संभावना जताई जा रही है कि केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने धर्मेंद्र प्रधान को आईआईटी के लिए राजी किया है। मनोहर लाल करनाल से सांसद हैं, जबकि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी कुरुक्षेत्र से सांसद रह चुके हैं और कुरुक्षेत्र जिले की लाडवा विधानसभा सीट से विधायक हैं।

नायब सैनी करनाल से भी विधायक रह चुके हैं। हालांकि, राज्य के पांचों भाजपा सांसद अपने-अपने क्षेत्र में आईआईटी के लिए कोशिश करते नजर आएंगे, लेकिन संभावना है कि करनाल अथवा कुरुक्षेत्र में कहीं आईआईटी का तोहफा दिया जा सकता है। केंद्र में अपनी मजबूत पकड़ के चलते केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर भी इस प्रोजेक्ट को लपक लें तो कोई हैरानी नहीं होगी। गुरुग्राम समेत इन सभी क्षेत्रों में जमीन काफी महंगी है। भिवानी क्षेत्र में जमीन की उपलब्धता अधिक रहती है, इस बात का फायदा धर्मबीर सिंह उठाने का कोई मौका नहीं छोड़ेंगे।

सीएम रेखा गुप्ता की सख्ती से हरकत में पीडब्लूडी विभाग, प्रोजेक्ट्स में देरी पर नपेंगे अफसर

नई दिल्ली (एजेंसी): दिल्ली की भाजपा सरकार लेट हो रहे परियोजनाओं के काम को लेकर सख्त हो गई है। सरकार ने साफ किया है कि परियोजनाओं के काम में उसकी ओर से कोई देरी नहीं होने दी जाएगी, मगर फिर भी परियोजना के काम में देरी होती है तो संबंधित अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया जाएगा। अफसर रोज करेंगे परियोजनाओं का निरीक्षण दिल्ली सरकार के सख्त रुख के बाद लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) हरकत में है। अब हर दिन अधिकारी सरकार को परियोजनाओं की डिटेल रिपोर्ट देंगे।वे प्रतिदिन परियोजनाओं के चल रहे काम का करेंगे निरीक्षण। परियोजना के काम में अगर किसी तरह की अड़चन आ रही है तो सरकार को अवगत कराएंगे। इसी कार्य से संबंधित एक आदेश में विभाग ने साफ किया है कि बुनियादी ढांचे की परियोजनाओं की गुणवत्ता बढ़ाने और समय पर पूरा होने को सुनिश्चित करने के लिए यह आवश्यक है कि पीडब्ल्यूडी के वरिष्ठ और क्षेत्रीय अभियंता तत्काल प्रभाव से नियमित रूप से क्षेत्र निरीक्षण करें। घटिया काम करने वालों पर होगी कार्रवाई विभाग के सभी वरिष्ठ

और क्षेत्रीय अभियंताओं को शनिवार सहित सभी कार्य दिवस के पूर्वाह्न में आधे दिन का क्षेत्र निरीक्षण करने का आदेश दिया गया है। अभियंता अपना निरीक्षण इस मुद्दों पर केंद्रित करेंगे। परियोजना प्रगति चल रही परियोजनाओं की प्रगति की निगरानी करेंगे तथा बाधाओं की पहचान कर सुधारात्मक कार्रवाई करेंगे गुणवत्ता नियंत्रण अभियंता यह सुनिश्चित करेंगे कि निर्माण कार्य आवश्यक मानकों को पूरा करें और किसी भी घटिया कार्य के खिलाफ कार्रवाई करें। सुरक्षा अनुपालन अभियंता यह सत्यापित करेंगे कि सभी सुरक्षा प्रोटोकाल का पालन किया जा रहा है तथा किसी भी चूक के मामले में सुधारात्मक कार्रवाई की जाएगी। चार घंटे तक किया जाएगा निरीक्षण क्षेत्र निरीक्षण शनिवार सहित सभी कार्य दिवस पर सुबह साढ़े नौ बजे से दोपहर डेढ़ बजे तक चार घंटे तक किए जाएंगे।अभियंताओं को को अपने संबंधित अधीक्षण अभियंताओं को एक संक्षिप्त दैनिक निरीक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी तथा ई-मॉनिटरिंग,मोबाइल एप में अपने निष्कर्ष को दर्ज कराएंगे। जिम्मेदारियां वरिष्ठ अभियंता क्षेत्र निरीक्षण की योजना बनाने तथा समन्वय करने के दौरान यह सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार होंगे कि सभी परियोजनाएं कवर की गई हैं तथा निरीक्षण रिपोर्ट की समीक्षा करेंगे।क्षेत्र अभियंता क्षेत्र निरीक्षण करेंगे, निरीक्षण रिपोर्ट तैयार करेंगे तथा आवश्यकतानुसार सुधारात्मक कार्रवाई करेंगे।

दिल्ली की भाजपा सरकार ने निमार्णाधीन परियोजनाओं में देरी को लेकर सख्त रुख अपनाया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने निर्देश दिए हैं कि किसी भी परियोजना में देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) हरकत में आ गया है और अब हर दिन अधिकारी निमार्णाधीन परियोजनाओं का निरीक्षण करेंगे।

बेहतरी की ओर बढ़ रहे भारत-चीन संबंध

उमेश चतुर्वेदी

अमेरिकी पाडकास्टर को दिए इंटरव्यू में प्रधानमंत्री मोदी ने जो कहा, उसे देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा है, ₹भारत और चीन के बीच संबंध कोई नई बात नहीं है। दोनों देशों की संस्कृतियां और सभ्यताएं प्राचीन हैं। आधुनिक दुनिया में भी, वे एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

भारत और चीन की ओर से एक-दूसरे के लिए जिस तरह की हाल के दिनों में बयानबाजी हुई है, उससे लगता है कि दोनों देशों के रिश्ते बेहतरी की ओर लगातार आगे बढ़ रहे हैं। इसका हालिया मुलाहिजा तब हुआ, जब भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस रिसर्चर एवं पाडकास्टर लेक्स फ्रिडमैन को दिए करीब तीन घंटे के इंटरव्यू में प्रधानमंत्री मोदी ने चीन की प्रशंसा की की। मोदी पिछले साल अप्रैल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमेरिकी पत्रिका न्यूजवीक को दिए इंटरव्यू में भी चीन को लेकर सकारात्मक संदेश दिए थे। इसके बाद अमेरिकी पॉडकास्टर से की गई बातचीत ने चीन और भारत के रिश्तों को एक तरह से नया आयाम दिया है। अच्छे और बेहतर पड़ोसी होने के नाते चीन का इस पर खुश होना स्वाभाविक था। चीन की ओर से आई प्रतिक्रिया भी जबरदस्त रही। चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग का यह कहना कि चीनी ड्रैगन और भारतीय हाथी के सामंजस्यपूर्ण नृत?य की प्रतीक्षा चीन के उत्साह का ही वर्णन करता है।

अमेरिकी पाडकास्टर को दिए इंटरव्यू में प्रधानमंत्री मोदी ने जो कहा, उसे देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा है, ₹भारत और चीन के बीच संबंध कोई नई बात नहीं है। दोनों देशों की संस्कृतियां और सभ्यताएं प्राचीन हैं। आधुनिक दुनिया में भी, वे एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यदि आप ऐतिहासिक अभिलेखों को देखें, तो सदियों से भारत और चीन ने एक-दूसरे से सीखा है। साथ मिलकर, उन्होंने हमेशा किसी न किसी तरह से वैश्विक भलाई में योगदान दिया है।₹ प्रधानमंत्री मोदी की यह टिप्पणी चीन और भारत के रिश्ते बेहतर बनाने की दिशा में पहला कदम नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग की रूसी शहर कजान में पिछले साल की मुलाकात के बाद भारत और चीन के रिश्ते लगातार बेहतरी की ओर बढ़ रहे हैं। हाल ही में चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने भी भारत को लेकर अपनी बेहतर राय जाहिर की थी। जिसका भारतीय विदेश मंत्रालय ने स्वागत किया था। इस कड़ी में भारतीय प्रधानमंत्री मोदी की ताजा टिप्पणी ने एक तरह से भारत-पाकिस्तान के रिश्तों को बेहतरी की ओर तेजी से बढ़ा दिया है। मोदी ने भारत-चीन के आपसी और गहरे रिश्तों और ऐतिहासिक संबंधों की भी इस पाडकास्ट में चर्चा की। वैसे चीन और भारत के रिश्तों की एक बड़ी और ऐतिहासिक कड़ी महात्मा गौतम बुद्ध हैं। यह ऐसी कड़ी है, जिसकी बुनियाद पर दोनों देशों के रिश्तों को और बेहतर बनाया जा सकता है।

भारत-चीन संबंधों को बेहतर बनाने की दिशा में नई दिल्ली यह समझाने की कोशिश करती रही है कि जब तक दोनों देशों के बीच का सीमा विवाद और उससे उपजा तनाव खत्म नहीं हो जाता, तब तक संबंध बेहतर नहीं हो सकते हैं। लेकिन चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने पिछले दिनों जब कहा कि एशिया की दोनों आर्थिक महाशक्तियों को अपने विवाद भुलाकर साथ आना चाहिए, तब से हालात बदलने लगे हैं। वैसे भी जिस तरह ट्रंप लगातार चीन को घेरने की कोशिश कर रहे हैं और आयात पर टैरिफ बढ़ाने की बात कर रहे हैं, उससे चीन ही नहीं भारत को परेशान कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप लगातार चीन और भारत से आयातित होने वाली चीजों पर टैरिफ बढ़ाने की बात कर रहे हैं। इसका निश्चित तौर पर दोनों देशों की आर्थिकी पर असर पड़ सकता है। अगर दोनों देश कम से कम आर्थिक मोर्चे पर साथ आने को तैयार दिखें तो अमेरिका की धमकियां और उसके कदम बेअसर साबित हो सकते हैं। वैसे दोनों देशों के कारोबारी रिश्ते जिस तरह बढ़ते रहे हैं, दोनों के बीच जारी सीमाई तनाव के बावजूद आपसी व्यापारिक संबंध मजबूत बने हुए हैं, वह बेहतर होते रिश्तों की ही कहानी कह रहे हैं। भारतीय प्रधानमंत्री मोदी और चीनी विदेश मंत्रालय की प्रतिक्रिया से जाहिर है कि दोनों देशों के बीच सद्भावना की नई इबारत लिखी जा रही है। अगर यह स्थिति और बेहतर होती है ति निश्चित है कि भारत में और अधिक चीनी निवेश का रास्ता खुल सकता है । जिसका फायदा भारत को तो मिलेगा ही, चीन को भी होगा। वैसे शंघाई सहयोग संगठन के साथ ही एशियाई विकास बैंक और ब्रिक्स जैसे संगठनों में नई दिल्ली और बीजिंग साथ-साथ काम कर ही रहे हैं। भारत आतंकवाद का मुकाबला करता रहा है, वह आतंकवाद का विरोधी भी है, लेकिन उसका मुकाबला करने के लिए बहुपक्षवादी वैचारिकी को बढ़ावा देने का वह विरोधी रही है। इस मामले में चीन की भी सोच कमोबेश वैसी ही है। इसलिए माना जा सकता है कि दोनों देश इन तथ्यों के आलोक में अपने रिश्तों को देखने लगे हैं। भारतीय प्रधानमंत्री मोदी और चीनी विदेश मंत्रालय की प्रतिक्रिया, इसी सोच का परिणाम नजर आती है।

पश्चिमी दुनिया के दिग्गज भी मानते हैं कि दोनों एशियाई दिग्गज देशों चीन और भारत के बीच स्थायी शांति के परिणाम दूरगामी होंगे। इससे कुछ हद तक वाशिंगटन चिंतित हो सकता है। लेकिन हाल के दिनों में भारत ने अमेरिका को लेकर जो संतुलित नीति अख्तियार की है, उससे उम्मीद है कि वाशिंगटन इस नई पहल की राह में बड़ी बाधा नहीं बन सकता। दोनों देशों के करोड़ों लोगों की आर्थिक स्थिति सुधारनी है, गरीबी का समूल नाश करना है और शांति और स्थायीत्व की दिशा में आगे बढ़ना है तो तय है कि दोनों देश विवादित मुद्दों को परे रखते हुए अपने आर्थिक और ऐतिहासिक रिश्तों को बेहतर बनाते हुए आगे बढ़ाते रहें। इससे एशिया की दुनिया और खूबसूरत हो सकती है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार

संपादकीय

बट्टे खातों की राजनीति

अमृता आर. पंडित

लंबे इंतजार के बाद आखिर, अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विलमोर दो अन्य अंतरिक्ष यात्रियों के साथ स्पेसएक्स के ड्रैगन कैप्सूल के जरिए पृथ्वी पर वापिस आ गए। दोनों एस्ट्रोनॉट जून में केवल आठ दिनों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्टेशन पर गए थे मगर धरती पर वापस लाने वाले वाले यान के खराब होने के कारण नौ महीनों बाद वापसी संभव हुई। स्पेसएक्स एलन मस्क की कंपनी है, जिसका ड्रैगन कैप्सूल फ्लोरिडा के तटीय समुद्र में उन्हें लेकर सत्रह घंटों में सुरक्षित गिराया गया। नासा की लाइव तस्वीरों द्वारा दुनिया भर में बेसब्री से इंतजार कर रहे लोगों ने अंतरिक्ष यात्रियों को देखा। अंतरिक्ष में तकरीबन 286 दिन बिताने वाले इन यात्रियों ने प्रति दिन सोलह बार सूर्योदय और सूर्यास्त देखा। जांच के बाद विशेषज्ञों का कहना है कि उनका स्वास्थ्य बिल्कुल ठीक है। गुरुत्वाकर्षण शून्य होने के कारण खून का प्रवाह प्रभावित होता है और हड्डियां/मांसपेशियां कमजोर होती जाती हैं। हालांकि यह धरती के वातावरण में आते ही प्राकृतिक रूप से सामान्य होता जाएगा। इसका मानसिक सेहत पर भी गहरा असर हो सकता है क्योंकि बार-बार यात्रियों के पृथ्वी पर लौटने की उम्मीदें नाममात्र रहने ने इन्हें बुरी तरह अवश्य प्रभावित किया होगा। नासा ने बताया कि इस दरम्यान विलियम्स ने 150 वैज्ञानिक प्रयोग किएऔर नौ सौ घंटे रिसर्च में बिताए जो अंतरिक्ष वैज्ञानिकों के लिए मददगार साबित हो सकते हैं। अंतरिक्ष में मैराथन दौड़ने वाली पहली अंतरिक्ष यात्री रहीं विलियम्स अपनी तीन अंतरिक्ष यात्राओं के दौरान बासठ घंटों से ज्यादा का स्पेस वॉक कर चुकी हैं। उनके पिता भारतीय हैं, इसलिए सुनीता के सुरक्षित लौटने को लेकर भारतवासी चिंतित थे। उन्होंने विभिन्न धार्मिक आयोजन किए। अंतरिक्ष में समोसे और गीता-उपनिषद ले जाने की बात कर विलियम्स ने भारतीयों में और भी अपनायित पैदा कर दी थी। इसका बड़ा श्रेय तो मस्क को ही जाता है। हालांकि उन्होंने इसे अमेरिकी चुनावों में राजनीतिक जंग के तौर पर इस्तेमाल किया था। बहरहाल, अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षित वापसी ने दुनिया भर में मुस्कुराहट फैलाने का काम किया है।

चिंतन-मनन

धर्म क्या है?

धर्म के मुख्यतः दो आयाम हैं। एक है संस्कृति, जिसका संबंध बाहर से है। दूसरा है अध्यात्म, जिसका संबंध भीतर से है। धर्म का तत्व भीतर है, मत बाहर है। तत्व और मत दोनों का जोड़ धर्म है। तत्व के आधार पर मत का निर्धारण हो, तो धर्म की सही दिशा होती है। मत के आधार पर तत्व का निर्धारण हो, तो बात कुरूप हो जाती है।

एक संत आता है। भीतर की गुफा में जाकर धर्म के तत्व अध्यात्म को जानता है। फिर वह चला जाता है। फिर मत बचा रहता है। उसके आधार पर एक संस्कृति विकसित होती है। संस्कृति के फूल खिलते हैं। काल प्रम में संस्कृति मुख्य हो जाती है। अध्यात्म गौण हो जाता है। और फिर एक संत को, एक जीवित संत को इस धरती पर आना पड़ता है। फिर से अंगारे जलाने होते हैं। फिर से दीप जलाना होता है।

जो दीप कभी जला था, उसके आधार पर जो गीत रह गए थे, वे पुराने पड़ जाते हैं। फिर से एक नया दीपक जलता है। नई रोशनी आती है। नया गीत फूटता है। नई नदी बहती है। सब कुछ नूतन हो जाता है। तो कहूँगा कि तुम जानो या न जानो, तुम सब धर्म के मार्ग पर ही हो। कोई व्यक्ति ऐसा नहीं हैं, जो धर्म के मार्ग पर नहीं है।

यह और बात है कि उसे पता है, या नहीं पता है। लेकिन धर्म का तत्व क्या है? धर्म का उद्गम क्या है? कहाँ पहुँचना है हमें? गंतव्य कहाँ है? उस बात को बताने के लिए ही संत इस धरती पर आता है। स्वामी विवेकानंद जी भी आए। और ये याद दिलाने के लिए आता है संत कि तुम कौन हो? अमृतस्य पुत्रा?। तुम राम-कृष्ण की संतान हो। तुम कबीर और गुरुनानक की संतान हो। तुम बुद्ध और महावीर की संतान हो। तुम क्यों दीन-हीन और दरिद्र जैसा जीवन जी रहे हो? क्यों अशांत हो, क्यों दुःखी हो? अपना स्वरूप हम भूल गए हैं। करीब-करीब ऐसे ही हम जीवन जीते हैं अपने वास्तविक स्वरूप को भूलकर।

इस जीवन की कितनी गरिमा है। इस जीवन की कितनी क्षमता है। अनंत आनन्द का खजाना, जो हमारे भीतर है, उसकी ओर हम पीठ करके जीते हैं। महर्षि नारद की तरह फिर कोई संत आता है हमारे बीच। कभी बुद्ध, कभी महावीर, कभी कृष्ण, कभी राम, कभी गुरुनानक, कभी गुरु अर्जुनदेव, कभी दादू, कभी दरिया, कभी रैदास, कभी मीरा, कभी सहजो, कभी दया बनकर आता है और हमसे कहता हैं कि चलो! उस मानसरोवर को चलो, जहाँ से तुम आए हो।

विश्व कठपुतली दिवस : अपनी पहचान खोती कठपुतलिया

रमेश सर्राफ धमोरा

कठपुतली न केवल एक औपचारिक रचना, एक रंगमंच की भाषा या एक कला वस्तु है। बल्कि यह एक ऐसी आकृति भी है, जिसने लगभग सभी संस्कृतियों में जीवन और मृत्यु की उत्पत्ति, दृश्य और अदृश्य के बीच के संबंध, तथा आत्मा और पदार्थ के बीच के संबंध जैसे प्रश्नों को मूर्त रूप दिया है। कठपुतली विश्व के प्राचीनतम रंगमंच पर खेला जाने वाले मनोरंजक कार्यक्रमो में से एक है। कठपुतलियों को विभिन्न प्रकार की गुड्डे-गुड़ियों, जोकर, राजदरबारों आदि पात्रों के रूप में बनाया जाता है। कठपुतली को लकड़ी अर्थात काष्ठ से बनाया जाता था। इस प्रकार काष्ठ से बनी पुतली का नाम कठपुतली पड़ा।

कठपुतलियों का इतिहास बहुत पुराना है। ईसा पूर्व चौथी शताब्दी में पाणिनी की अष्टाध्यायी के नटसूत्र में पुतला नाटक का उल्लेख मिलता है। कुछ लोग कठपुतली के जन्म को लेकर पौराणिक आख्यान का जिक्र करते हैं कि शिवजी ने काठ की मूर्ति में प्रवेश कर पार्वती का मन बहलाकर इस कला की शुरूआत की थी। सतवर्द्धन काल में भारत से पूर्वी एशिया के देशो इंडोनेशिया, थाईलैंड, म्यांमार, जावा, श्रीलंका आदि में इसका विस्तार हुआ। आज यह कला चीन, रूस, रूमानिया, इंग्लैंड, चेकोस्लोवाकिया, अमेरिका व जापान आदि अनेक देशों में पहुंच चुकी है। इन देशों में इस विधा का सम-सामयिक प्रयोग कर इसे बहुआयामी रूप प्रदान किया गया है। वहां कठपुतली को मनोरंजन के अलावा शिक्षा, विज्ञापन आदि अनेक क्षेत्रों में इस्तेमाल किया जा रहा है।

हम हर साल 21 मार्च को विश्व कठपुतली दिवस मनाते हैं। इस दिन का उद्देश्य कठपुतली को वैश्विक कला के रूप में मान्यता देना है। यह दुनिया भर के कठपुतली कलाकारों को का सम्मान करने का एक प्रयास है।एक समय था जब कठपुतली को सिर्फ मनोरंजन का माध्यम समझा जाता था। लेकिन आज कठपुतली कला मनोरंजन के साथ ही लोगों को जागरुक भी कर रही है। प्राचीनकाल से ही जादू टोनों एवं कुदरती प्रकोपों से बचने के लिए मानव जीवन में पुतलों का प्रयोग होता रहा है। भारत में ही नहीं बल्कि अन्यत्र भी काष्ठ, मिट्टी व पाषाण से निर्मित ये पुतले जातीय एवं पारिवारिक देवताओं के रूप में प्रतिष्ठित होते रहे हैं।

भारतीय कठपुतलियों की प्राचीनता के सम्बन्ध में पौराणिक ग्रन्थों में उल्लेख मिलता हैं। महाभारत में अर्जुन द्वारा ब्रहन्नला को कठपुतलियों का खेल सिखाने का उल्लेख है। महाभारत में रूपजीवन शब्द का भी काफी प्रयोग हुआ है और वह भी पुतलियों के खेल-तमाशों के संदर्भ में। पंचतंत्र नामक ग्रन्थ में ऐसी कठपुतलियों का जिक्र है। जो लकड़ी की खूटियों के सहारे नाना प्रकार के मानवी करतब दिखलाती थी। विक्रमादित्य के समय सिंहासन बतीसी नामक एक ऐसा सिंहासन था जो दिन में सम्राट के बैठने के काम आता था और रात को उसकी बतीस कठपुतलियां विभिन्न प्रकार से रागरंग कार्यक्रम कर सम्राट को रिझाती थी। राजस्थान की स्ट्रिंग कठपुतलियां दुनिया भर में मशहूर हैं। इसके अलावा उड़ीसा, कर्नाटक और तमिलनाडु में भी कठपुतलियों की यही कला प्रचलित है।

राजस्थानी कठपुतलियों का ओवल चेहरा, बड़ी आंखें, धनुषाकार भौंहें और बड़े होंठ इन्हें अलग पहचान देते हैं। 5-8 स्ट्रिंग्स से बंधी ये कठपुतलियां राजस्थानी संगीत के साथ नाटक पेश करती हैं। राजस्थान में कठपुतलियों का प्रचलन काफी समय से हो रहा है। यहां कठपुतलियां नटों तथा भाटों द्वारा प्रयुक्त होती है। ये नट नाटक भी करते थे, नाचते भी थे एवं विभिन्न प्रकार के शारीरिक करतब भी दिखलाते थे। यह रस्सियों पर भी चलते थे ओर कठपुतलियां भी नचाते थे। नट जाति में प्रचलित एक किवदंती के आधार पर ब्रह्मा के वरदान से एक आदि नट की उत्पत्ति हुई थी। इन नटों के पूर्वज ही विक्रमादित्य के समय में 'सिंहासन बतीसी' नामक कठपुतली नाटक के सर्जक थे। भारत की पुरातन संस्कृति का केन्द्रस्थल उत्तर भारत का राजस्थान एवं सिंध क्षेत्र रह चुका है।

राजस्थान में कठपुलियों का खेल दिखाने का मंच बहुत ही सादा होता है। गांव में कठपुतली का खेल दिखाने हेतु दो खाट खड़ी कर उसको ऊपर-नीचे से बांसों से जकडकर मंच की शक्ल दे दी जाती है। आगे की तरफ बारादरीनुमा 'ताजमहल' नामक पर्दा लगा दिया जाता है। पृष्ठ भूमि में एक रंगीन काली चादर लगा दी जाती है जिसके पीछे से ये कठपुतलियों का संचालन करते हैं। इनकी कठपुतलियों का आकार लगभग डेढ़ फुट का होता है। इन कठपुतलियों की वेशभूषा पारम्परिक राजस्थानी होती है।

राजस्थान के नट जो पहले राजा-महाराजाओं के दरबारों की शोभा बढ़ाते थे। धीरे-धीरे सामाजिक एवं आर्थिक कारण से पिछड़ते चले गये और छोटी-छोटी जातियों के याचक बन गये। जिन राजाओं तथा विशिष्टजनों ने उन्हें प्रोत्साहन एवं संरक्षण प्रदान किया उन्हीं की जीवन-गाथायें इनकी पुतलियों का विषय बन गयी। जैसे विक्रमादित्य के काल की 'सिंहासन बतीसी', पृथ्वीराज चैहान के समय की 'पृथ्वीराज संयोगिता व अमरसिंह राठौड़' का खेल प्रमुख थी। घोर परम्परा एवं जातीय बन्धनों में बंधे हुये ये भाट आज भी अपनी पुतलियों में संशोधन आदि का सुझाव नहीं मानते हैं।राजस्थान में आज इस जाति के लगभग सोलह हजार भाट मौजूद हैं। जिनमें से आठ हजार आज भी कठपुतलियां नचाने का काम करते हैं। कुछ खेती बाड़ी के धन्धे में भी लगे हुये हैं तो कुछ ने नाच गाने को अपना पेशा बना लिया है। कुछ अपने यजमानों के घर व शादी विवाह के अवसर पर ढोल बजाकर याचक का काम करते हैं।

तीन सौ वर्षों से निरन्तर प्रचलन में होने से राजस्थानी कठपुतलियों का मूल नाटक बिल्कुल ही विकृत हो गया है। अब तो दर्शक संचालन शैली तथा नाट्य-विधि के कारण ही कठपुतली का खेल देखते हैं। आज भी राजस्थानी कठपुतलियों में दर्शकों को बांधने की ताकत देखने का मिलती है जो कदाचित अन्य किसी में नहीं है। कठपुतली संचालक द्वारा अपने मुंह से ही सीटीनुमा आवाज निकालकर भाव व्यक्त किया जाता है। आजकल कठपुतली निर्माण कार्य कठपुतली संचालक स्वयं ही करता है क्योंकि पारम्परिक कठपुतली निमार्ता बढ़ई बहुत कम संख्या में रह गये हैं। इन कठपुतलियों को भाट बड़े आदर-भाव से देखते हैं। आज भी इनकी पारम्परिक कठपुतलियों के लंहगों की अनेक परतें इनकी पुरातन प्रियता की द्योतक है। कठपुतलियों के मुंह निर्मित होते हैं तथा अन्य सब अंग रूई व कपड़ों से बनाये जाते हैं। प्रयोग में नहीं आने वाली कठपुतलियों को ये लोग फेंकते नहीं बल्कि आदर पूर्वक जल में प्रवाहित करते हैं।

राजस्थानी कठपुतलियों में चेहरे का आकार शरीर से बड़ा, आंखें काफी बड़ी, वक्षस्थल अत्यन्त लघु एवं उभरा हुआ तथा पांवों का न होना इनकी अपनी विशेषता है। इससे कठपुतलियों का संचालन अत्यन्त सजीव बन जाता है। कठपुतलियों के खेल दिखाने वाले दल में दो या तीन व्यक्ति होते हैं। औरतें ढालक बजाती हैं व मर्द कठपुतलियां चलाते हैं। इनके दोनों हाथ मशीन की तरह चलते हैं। सीटी द्वारा उत्पन्न विविध ध्वनियां, वाचन के साथ पैर से पैदा की गयी आवाजें तथा ढोलक की विचित्र थापें समस्त नाटक को प्राणवान बना देती हैं।

धरती पर लौटीं सुनीता विलियम्सः एक ऐतिहासिक वापसी

डॉ सत्यवान सौरभ

सुनीता विलियम्स की उपलब्धियाँ न केवल भारतीय वैज्ञानिकों बल्कि देश के युवाओं के लिए भी प्रेरणा का स्रोत हैं।

सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर की धरती पर सुरक्षित वापसी एक बड़ी वैज्ञानिक उपलब्धि मानी जा रही है। वे जून 2024 में बोइंग के स्टारलाइनर मिशन के तहत अंतरिक्ष गए थे, लेकिन तकनीकी खामियों के चलते उनकी वापसी में नौ महीने की देरी हुई। इस कारण वे अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (क्रर) पर लंबे समय तक रुके रहे। यह मिशन न केवल तकनीकी दृष्टिकोण से महत्त्वपूर्ण था, बल्कि अंतरिक्ष में लंबे समय तक रहने के प्रभावों को समझने में भी सहायक होगा। उनकी सुरक्षित वापसी से भविष्य में अंतरिक्ष अभियानों के लिए नई संभावनाएँ खुलेंगी। इससे नासा और बोइंग को स्टारलाइनर की खामियों को सुधारने का मौका मिलेगा। उनके अनुभव और उपलब्धियाँ न केवल अंतरिक्ष क्षेत्र बल्कि विज्ञान और तकनीक में रुचि रखने वाले प्रत्येक व्यक्ति के लिए एक प्रेरणा हैं। उनकी कहानी यह संदेश देती है कि सीमाएँ केवल मानसिकता में होती हैं और यदि कोई लक्ष्य निर्धारित किया जाए, तो उसे प्राप्त किया जा सकता है।

नासा की अनुभवी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और उनके साथी बुच विल्मोर, जो पिछले नौ महीने से अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (क्रर) पर थे, आज सफलतापूर्वक धरती पर लौट आए हैं। स्पेसएक्स के ड्रैगन कैप्सूल की मदद से उन्होंने मेक्सिको की खाड़ी में सुरक्षित लैंडिंग की। सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर जून 2024 में बोइंग के स्टारलाइनर के साथ परीक्षण उड़ान के लिए अंतरिक्ष में गए थे। हालांकि, स्टारलाइनर में तकनीकी खामी के कारण उनकी वापसी में देरी हुई, जिससे वे नौ महीने तक क्रर पर रहे। उनकी वापसी के लिए स्पेसएक्स का क्रू-10 मिशन लॉन्च किया गया था, जिसने सफलतापूर्वक उन्हें धरती पर वापस लाया। वापसी के बाद, दोनों अंतरिक्ष यात्रियों को स्ट्रेचर पर ले जाया गया, जो लंबे समय तक भारहीनता में रहने के बाद सामान्य प्रक्रिया है। यह मिशन न केवल तकनीकी दृष्टि से महत्त्वपूर्ण रहा, बल्कि इससे वैज्ञानिकों को अंतरिक्ष में लंबे समय तक रहने के प्रभावों को समझने में भी मदद मिलेगी। इससे नासा और अन्य अंतरिक्ष एजेंसियों को भविष्य के गहरे अंतरिक्ष अभियानों, जैसे कि मंगल पर मानव मिशन की योजना बनाने में सहायता मिलेगी। सुनीता विलियम्स की यह वापसी अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है। यह मिशन भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों के लिए मूल्यवान डेटा प्रदान करेगा और अंतरिक्ष यान तकनीक के सुधार में सहायक सिद्ध होगा।

सुनीता विलियम्स और उनके जैसे अनुभवी अंतरिक्ष यात्री भविष्य के चंद्र और मंगल अभियानों में अहम भूमिका निभा सकते हैं। नासा और अन्य स्पेस एजेंसियाँ अब दीर्घकालिक अंतरिक्ष मिशनों की तैयारी कर रही हैं, जिनमें अंतरिक्ष में रहने के नए तरीके, कृत्रिम गुरुत्वाकर्षण की संभावनाएँ और अंतरिक्ष यात्रियों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों को कम करने की रणनीतियाँ शामिल हैं। इसके अलावा, स्टारलाइनर जैसी तकनीकों में सुधार कर, अंतरिक्ष अन्वेषण को अधिक सुरक्षित और कुशल बनाया जाएगा। अंतरिक्ष में मानव उपस्थिति को और विस्तारित करने के लिए वैज्ञानिक शोध जारी रहेंगे, जिससे भविष्य में मंगल और उससे आगे की यात्राएँ संभव हो सकेंगी। सुनीता विलियम्स भारतीय मूल की अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री हैं, जिनका भारत से गहरा जुड़ाव रहा है। उनके पिता भारतीय मूल के हैं और उन्होंने कई बार भारत के प्रति अपने प्रेम को व्यक्त किया है। भारत में अंतरिक्ष विज्ञान और अनुसंधान की बढ़ती उपलब्धियों के बीच, सुनीता विलियम्स एक प्रेरणास्रोत बनी हुई हैं। इसरो (क्रफ्ड) भी अब मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम, गगनयान, की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है। इसरो ने हाल ही में गगनयान के लिए प्रमुख परीक्षण पूरे किए हैं और आने वाले वर्षों में भारत के पहले मानव अंतरिक्ष मिशन को लॉन्च करने की योजना बना रहा है। सुनीता विलियम्स की उपलब्धियाँ न केवल भारतीय वैज्ञानिकों बल्कि देश के युवाओं के लिए भी प्रेरणा का स्रोत हैं। उनकी सफलता यह दिखाती है कि भारतीय मूल के लोग वैश्विक वैज्ञानिक समुदाय में महत्त्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। भविष्य में, इसरो और नासा के बीच सहयोग बढ़ सकता है, जिससे भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम को और मजबूती मिलेगी। सुनीता विलियम्स न केवल एक उत्कृष्ट अंतरिक्ष यात्री हैं, बल्कि एक प्रेरणादायक व्यक्तित्व भी हैं। उनका सफर यह दशार्ता है कि कड़ी मेहनत, दृढ़ संकल्प और विज्ञान के प्रति जुनून कैसे किसी को नई ऊंचाइयों तक पहुँचा सकता है। उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं और युवा वैज्ञानिकों को प्रेरित किया है कि वे अंतरिक्ष अनुसंधान और विज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ें। उन्होंने कई मौकों पर भारतीय छात्रों और युवाओं से संवाद किया है और उन्हें वैज्ञानिक क्षेत्रों में करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित किया है। उनके अनुभव और उपलब्धियाँ न केवल अंतरिक्ष क्षेत्र बल्कि विज्ञान और तकनीक में रुचि रखने वाले प्रत्येक व्यक्ति के लिए एक प्रेरणा हैं। उनकी कहानी यह संदेश देती है कि सीमाएँ केवल मानसिकता में होती हैं और यदि कोई लक्ष्य निर्धारित किया जाए, तो उसे प्राप्त किया जा सकता है।

सुनीता विलियम्स और उनके जैसे अनुभवी अंतरिक्ष यात्री भविष्य के चंद्र और मंगल अभियानों में अहम भूमिका निभा सकते हैं। नासा और अन्य स्पेस एजेंसियाँ अब दीर्घकालिक अंतरिक्ष मिशनों की तैयारी कर रही हैं, जिनमें अंतरिक्ष में रहने के नए तरीके, कृत्रिम गुरुत्वाकर्षण की संभावनाएँ और अंतरिक्ष यात्रियों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों को कम करने की रणनीतियाँ शामिल हैं। इसके अलावा, स्टारलाइनर जैसी तकनीकों में सुधार कर, अंतरिक्ष अन्वेषण को अधिक सुरक्षित और कुशल बनाया जाएगा। अंतरिक्ष में मानव उपस्थिति को और विस्तारित करने के लिए वैज्ञानिक शोध जारी रहेंगे, जिससे भविष्य में मंगल और उससे आगे की यात्राएँ संभव हो सकेंगी। सुनीता विलियम्स की यह वापसी अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है। यह मिशन भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों के लिए मूल्यवान डेटा प्रदान करेगा और अंतरिक्ष यान तकनीक के सुधार में सहायक सिद्ध होगा। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुनीता विलियम्स की सफल वापसी पर बधाई दी और उनके साहस तथा समर्पण की सराहना की। उन्होंने कहा कि सुनीता विलियम्स न केवल भारतीय मूल के लोगों के लिए गर्व का विषय हैं, बल्कि पूरे विश्व के लिए प्रेरणास्रोत हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा कि उनका यह मिशन भारत के अंतरिक्ष वैज्ञानिकों और युवाओं के लिए एक प्रेरणा है, जो अंतरिक्ष में नई ऊंचाइयों को छूने का सपना देखते हैं।

दिल्ली में बीजेपी सरकार को एक महीना पूरा, जानिए रेखा गुप्ता सरकार ने संकल्प पूरा करने के लिए उठाए कौन-कौन से कदम

नई दिल्ली। आज दिल्ली की सत्ता संभाले भाजपा को एक महीना पूरा हो रहा है। भाजपा ने विकसित दिल्ली के वादे के साथ 27 वर्षों बाद सत्ता में वापसी की है। पार्टी ने संकल्प पत्र में दिल्ली को विश्व की सर्वश्रेष्ठ राजधानी बनाने के साथ महिलाओं, गरीबों, छात्रों और श्रमिकों के जीवन स्तर सुधारने का वादा किया है। प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना, महिला समृद्धि योजना सहित पांच बड़े संकल्प को पूरा करने के लिए सरकार ने पहले माह के कार्यकाल में ही ठोस कदम उठा लिए हैं। इस सरकार का पहला बजट 25 मार्च को पेश किया जाएगा। इसे विकसित दिल्ली बजट नाम दिया गया है, जिसमें राज्य की दशा व दिशा तय करने को कई महत्वपूर्ण घोषणाएं होने की उम्मीद है। चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित अन्य नेताओं ने सत्ता में आने पर पहली कैबिनेट बैठक में प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना लागू करने और आप सरकार के कार्यकाल से संबंधित 14 कैग रिपोर्ट को विधानसभा में पेश करने पर निर्णय लेने का वादा किया था। 20 फरवरी को शपथ ग्रहण के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पहली कैबिनेट बैठक की, जिसमें दोनों वादे पूरे किए गए। केंद्र सरकार की पांच लाख रुपये की आयुष्मान योजना के साथ ही दिल्ली सरकार ने अतिरिक्त पांच लाख रुपये की स्वास्थ्य बीमा देने का निर्णय लिया है। इसे लागू करने के लिए 10 अप्रैल को केंद्र के साथ दिल्ली सरकार का समझौता किया जाएगा। विधानसभा के पहले सत्र में आबकारी नीति घोटाला और स्वास्थ्य विभाग से संबंधित कैग रिपोर्ट पेश किया गया। दूसरी कैबिनेट बैठक में महिला समृद्धि योजना को मिली मंजूरी आठ मार्च को हुई दूसरी कैबिनेट बैठक में महिला समृद्धि योजना को मंजूरी दी गई। इस योजना के अंतर्गत महिलाओं को प्रति माह 2,500 रुपये मिलेंगे। इसके लिए 5,100 करोड़ रुपये का प्रविधान किया गया है। इस योजना को लागू करने की रूपरेखा तय करने के लिए मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में मंत्रियों की टीम गठित की गई है। दिल्ली सरकार ने पांच संकल्प पूरा करने को उठाए कदम प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना लागू करने को कैबिनेट ने दी अनुमति। दूसरी कैबिनेट में महिला समृद्धि योजना के लिए 5,100 करोड़ रुपये मंजूर। आप सरकार के कार्यकाल की दो कैग रिपोर्ट विधानसभा में पेश की गई। यमुना को तीन वर्ष में स्वच्छ करने का लक्ष्य, सफाई शुरू, केंद्र सरकार बना रही मास्टर प्लान। सड़कों की दशा सुधारने का काम शुरू यमुना नदी की सफाई हुई शुरू यमुना को साफ करने का काम शुरू हो गया है। पहले चरण में यमुना से कचरा निकालने का काम चल रहा है। केंद्र सरकार के सहयोग से मिशन मोड में यह काम किया जाएगा। सड़कों की दशा सुधारने का भी काम किया जा रहा है। अधिकारियों व निर्माण कार्य करने वाले ठेकेदारों की जवाबदेही तय की गई है। भाजपा ने दिल्ली को ई बस सिटी बनाने का संकल्प लिया है। इस दिशा में भी काम किया जा रहा है, अगले माह से बसें आने की उम्मीद है। गर्मी में बिजली व पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए समर एक्शन प्लान तैयार किया जा रहा है। विकसित दिल्ली बजट तैयार करने के लिए मुख्यमंत्री अधिकारियों, विधायकों व सांसदों के साथ ही समाज के अलग-अलग वर्गों से चर्चा कर रही हैं।

आतिशी का बीजेपी पर तीखा वार, पूछा- मोदी जी कब आएंगे महिलाओं के खाते में 2500 रुपये

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी नेता आतिशी ने दिल्ली सरकार पर हमला बोलते हुए पीएम मोदी से बड़ा सवाल पूछा है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट करते हुए लिखा कि दिल्ली में बीजेपी सरकार बने एक महीना हो गया, लेकिन पीएम मोदी की हर महिला को 2500 रुपये महीना देने की गारंटी अब तक अधूरी है। आतिशी ने कहा, चुनाव से पहले मोदी जी ने कहा था कि स्कीम पहली कैबिनेट में पास होगी और आठ मार्च को पैसे आएंगे। लेकिन न स्कीम का रजिस्ट्रेशन शुरू हुआ, न पैसे आए सिर्फ '4 सदस्यीय कमेटी' का झुनझुना पकड़ाया गया। क्या 18 साल से ऊपर सभी 48 लाख महिलाओं को 2500 रुपये मिलेंगे या इतनी शर्तें होंगी कि सिर्फ मुट्ठी-भर महिलाओं को फायदा होगा? 12 दिन से बनी कमेटी अब तक क्या कर रही है? क्या कोई फैसला लिया? योजना का रजिस्ट्रेशन किस दिन से शुरू होगा? 2500 रुपये अकाउंट में किस दिन आएंगे?

दिल्लीवासियों की बल्ले-बल्ले, 12 साल बाद होने जा रहा है राशन कार्ड को लेकर यह काम; नई सरकार से जगी आस

नई दिल्ली। दिल्ली में नई सरकार गठित होने के बाद नए राशन कार्ड बनने की आस भी जग गई है। पिछले 12 साल में नए राशन कार्ड के जो भी आवेदन लंबित पड़े हैं, उन पर अब काम हो सकता है। हालांकि राशन कार्डों की सीमा तो अभी पूर्व निर्धारित ही रहेगी, लेकिन जितने पुराने कार्ड रद होंगे, उतने नए भी बनाए जाएंगे। नियमानुसार हर पांच साल में राशन कार्ड का सत्यापन और हर साल नवीनीकरण होना चाहिए। लेकिन 2013 में कांग्रेस सरकार के हटने के बाद आप सरकार के कार्यकाल में ऐसा एक बार भी नहीं हुआ। खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के पास नए राशन कार्ड बनाने के आवेदन तो बड़ी संख्या में आए, लेकिन उनका निस्तारण नहीं हुआ। 12 साल में कई लोग राशन पाने की पात्रता खो चुकेः सूत्र सूत्रों का कहना है कि करीब 12 साल की अवधि में काफी कार्डधारकों की मौत हो चुकी होगी और काफी नौकरी लग जाने या पदोन्नति व वेतनवृद्धि पा जाने के कारण राशन कार्ड रखने या यूं कहें कि सस्ता राशन पाने की पात्रता खो चुके होंगे। दिल्ली में भाजपा सरकार आने के बाद विभाग ने अब राशन कार्डों के सत्यापन की प्रक्रिया शुरू कर दी है, जोकि 31 मार्च तक पूरी की जानी है। जरूरत के मुताबिक अंतिम तिथि बढ़ाई भी जा सकती है। वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि राशन कार्ड धारी घर बैठे ही अलग-अलग तरीके से अपना सत्यापन कर सकते हैं। लाभार्थियों को आधार नंबर होने का प्रमाण देने के साथ उसे राशन कार्ड से लिंक भी करना होगा। दिल्ली में अभी 17 लाख से अधिक राशन कार्ड धारक एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि राजधानी में सभी कार्ड धारकों के पास बायोमेट्रिक आधारित स्मार्ट राशन कार्ड हैं। लेकिन 2013 के बाद से सत्यापन प्रक्रिया न होने के कारण नए राशन कार्ड बनने की जगह नहीं बन पाई। वर्तमान में चल रही सत्यापन प्रक्रिया में वर्ष 2013 से अब तक जिन कार्ड धारकों की मृत्यु हो गई है या जो लोग केवल निवास प्रमाण के लिए राशन कार्ड रखते हैं, के नाम हटा दिए जाएंगे। जिन्हें सरकारी नौकरी मिल गई होगी, आय बढ़ गई होगी, उनका नाम भी हटा दिया जाएगा। खाली जगहों पर नए कार्ड बनेंगे। अभी दिल्ली में 17.41 लाख से अधिक राशन कार्ड धारक हैं।

निचली अदालत के बाद हाईकोर्ट से भी दिल्ली सरकार के मंत्री कपिल मिश्रा को राहत नहीं, आपत्तिजनक पोस्ट का है मामला

नई दिल्ली। आपत्तिजनक पोस्ट के मामले में ट्रायल कोर्ट के बाद दिल्ली सरकार के कानून मंत्री कपिल मिश्रा को दिल्ली हाईकोर्ट से भी राहत नहीं मिली। कपिल मिश्रा की अपील याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति रवींद्र डुडेजा की पीठ ने मामले में दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी करते हुए सुनवाई 19 मई तक के लिए स्थगित कर दी। कपिल मिश्रा ने मजिस्ट्रेट अदालत द्वारा जारी समन के विरुद्ध दायर याचिका खारिज करने के सत्र न्यायालय के आदेश को चुनौती दी है। ट्रायल कोर्ट ने की थी ये टिप्पणी राउज एवेन्यू की सत्र अदालत ने सात मार्च को कपिल मिश्रा की याचिका खारिज करते हुए टिप्पणी की थी कि ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर रोक लगाने की कोई आवश्यकता नहीं है। अदालत ने कहा था कि ट्रायल कोर्ट मामले में आगे की कार्यवाही करने के लिए स्वतंत्र है। ट्रायल कोर्ट में मामले पर सुनवाई 20 मार्च को होनी है। कपिल मिश्रा ने 23 जनवरी 2020 को दिल्ली विधानसभा चुनावों के संबंध में अपने एक्स हैंडल पर आपत्तिजनक बयान पोस्ट किए थे। रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई थी और इसके आधार पर कपिल मिश्रा के विरुद्ध प्राथमिकी हुई थी। कपिल ने बचाव में रखा अपना पक्ष मंगलवार को कपिल मिश्रा की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता महेश जेठमलानी ने कहा कि अधिनियम की धारा-125 एक गैर-संज्ञेय अपराध है और दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 155 (2) के तहत प्रक्रिया का पालन किए बिना प्राथमिकी नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि पोस्ट में किसी भी दो समुदायों या समूहों का कोई जिक्र नहीं था, जोकि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा-125 की एक शर्त है।

शंभू और खनौरी बॉर्डर के बाद अब सिंघु बॉर्डर से भी बैरिकेडिंग हटाने का काम शुरू, 4 दिनों में पूरा हो जाएगा काम

बाहरी दिल्ली। हरियाणा से सटे पंजाब के शंभू व खनौरी बॉर्डर के खुलने के बाद अब सिंघु बॉर्डर से भी अवरोध हटाने शुरू हो गए। किसानों के दिल्ली कूच एलान को लेकर करीब 13 महीने पहले वाहनों की आवाजाही के लिए बंद किए गए सिंघु बॉर्डर स्थित दोनों कैरिज वे को अब पूरी तरह से खोलने का काम बृहस्पतिवार से शुरू हो गया। हालांकि इस कैरिज वे के दोनों तरफ के दो-दो लेन व सर्विस लेन को 27 फरवरी 2024 को वाहनों की आवाजाही के लिए खोल दिया गया था। बाहरी-उत्तरी जिला के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि कैरिज-वे के बाकी बचे हिस्से से सीमेंट के जर्सी बैरीयर को हटाने का काम अगले तीन से चार दिनों में पूरा हो जाए। 11 फरवरी 2024 को सिंघू बॉर्डर को बंद किया गया था 11 फरवरी 2024 को सिंघु सीमा से पूरी तरह से वाहनों की आवाजाही बंद कर दी गई। कंटीले तार, सीमेंट के जर्सी बैरियर, बैरिकेड्स से सीमा सील होने से पैदल यात्रियों का भी एक ओर से दूसरे ओर तक पहुंचना मुश्किल हो गया था। 27 फरवरी 2024 को सिंघु बॉर्डर स्थित दोनों सर्विस रोड को वाहनों के आवाजाही के लिए खोल दिया गया था। लेकिन यहां स्थित कैरिज-वे के दोनों तरफ के दो-दो लेन ही खोले गए थे। दो-दो लेन तभी से बंद पड़े थे। जिले के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि सिंघु बॉर्डर पर अर्थमूवर से जर्सी बैरियर हटाए जा रहे हैं। एनएचएआई की ओर से भी काफी संख्या में यहां कर्मचारी जर्सी बैरियर हटाने में लगे हैं। बीते एक वर्ष से जर्सी बैरियर लगे होने के कारण यहां से वाहन चालकों को निकलने में परेशानी होती थी। पिक आवर्स में यहां लंबा जाम लग जाता था। इसको लेकर स्थानीय लोग काफी विरोध कर रहे थे। अब इस कार्य के शुरू होने से स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली है।

दिल्ली दंगों में ऑटो चालक की हत्या के मामले में 8 पर आरोप तय, 11 लोग हुए बरी

पूर्वी दिल्ली। दिल्ली दंगे में ऑटो चालक की हत्या के मामले में कड़कड़डूमा स्थित कोर्ट ने आठ लोगों पर आरोप तय कर दिए। वहीं मुस्लिम समुदाय के 11 लोगों को आरोप मुक्त कर दिया। कोर्ट ने आदेश में कहा कि मृतक मुस्लिम समुदाय से था। गवाहों के बयान और घटना के वीडियो से पता चलता है कि मुस्लिम समुदाय के लोगों की उसकी पिटाई में कोई भूमिका नहीं थी। बल्कि वे उसके के हमदर्द थे। खजूरी खास थाना क्षेत्र में 25 फरवरी 2020 को दंगाइयों ने ऑटो चालक बब्बू की हत्या कर दी थी। उस पर पथराव करने के साथ डंडे से पिटाई भी की गई थी। दंगाई उसे घायल अवस्था में सड़क और छोड़ कर भाग गए थे। घायल अवस्था में उसे जीटीबी अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। हिंदू और मुसलमान समुदाय के 19 लोगों को बनाया आरोपी घटना के दो दिन बाद उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई थी। मृतक के भाई पप्पू के बयान के आधार पर पुलिस ने प्राथमिकी पंजीकृत की थी। मृतक की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सिर पर चोट बताई गई थी। इस मामले में पुलिस ने हिंदू और मुस्लिम समुदाय के 19 लोगों को आरोपित बनाया था। इस मामले में कोर्ट ने राहुल उर्फ अजय, संदीप उर्फ संजीव, हरजीत सिंह, कुलदीप, भारत भूषण उर्फ लकी, धर्मेंद्र, सचिन गुप्ता और सचिन रस्तोगी के खिलाफ दंगा करने, हत्या करने, समुदायों के बीच द्वेष बढ़ाने समेत कई आरोप तय किए हैं। वहीं कोर्ट ने रिजवान, इसरार, तैयब, इकबाल, जुबेर, मारूफ, शमीम उर्फ लाला, आदिल, शाहबुद्दीन, फरमान और इमरान को आरोपों से मुक्त कर दिया।

दिल्ली में प्रदूषण रोकने के लिए सरकार की बड़ी पहल, अगले 3 माह में बनेंगे 6 एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग स्टेशन

नई दिल्ली। प्रदूषण से जंग में दिल्ली की भाजपा सरकार अगले तीन महीनों में शहर में छह नए एयर क्वालिटी मानिटरिंग स्टेशन स्थापित करने वाली है। इनसे शहर की वायु गुणवत्ता की स्थिति पर और ज्यादा बेहतर तरीके से नजर रखी जा सकेगी। पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने मीडिया से बातचीत में दी है। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि नए स्टेशन कहां लगाए जाएंगे। सिरसा ने कहा, "ठंड में प्रदूषण का स्तर अपने शिखर पर पहुंच जाता है और उसी स्थिति से निपटने के लिए एक व्यापक रणनीति के तहत दिल्ली सरकार अगले तीन महीनों में राष्ट्रीय राजधानी में छह नए एयर क्वालिटी मानिटरिंग (वायु गुणवत्ता निगरानी) स्टेशन स्थापित करेगी। यह स्टेशन शहर के अलग-अलग स्थानों में लगाए जाएंगे।" इन स्टेशनों से वायु गुणवत्ता की जानकारी मिल पाएगी सिरसा ने कहा "दिल्ली में फिलहाल 40 एयर क्वालिटी स्टेशन हैं। छह नए स्टेशन जुड़ने के बाद यह संख्या बढ़कर 46 हो जाएगी।" उन्होंने कहा कि इन स्टेशनों से वायु गुणवत्ता के बारे में विस्तृत जानकारी जुटाने में मदद मिलेगी। दिल्ली सरकार के पर्यावरण मंत्री ने कहा, "हम पहले से ही प्रदूषण को कम करने के लिए काम कर रहे हैं और इस साल सर्दी के मौसम में हम यह सुनिश्चित करेंगे कि दिल्ली में ज्यादा स्वच्छ हवा-पानी वाले दिन हों। इसके लिए काम भी पहले ही शुरू हो चुका है और इसके अगले हिस्से के रूप में हम नए एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग स्टेशन जोड़ेंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि हम कार्रवाई करने के लिए सर्दियों तक इंतजार नहीं करेंगे।" बता दें कि दिल्ली में फिलहाल 40 एयर क्वालिटी मानिटरिंग स्टेशन हैं, जो कि अलीपुर, आनंद विहार, आया नगर, बवाना, बुराड़ी, चांदनी चौक, डीटीयू, द्वारका, आईजीआई एयरपोर्ट, इहबास, आइटीओ, जहांगीरपुरी, लोधी रोड, नजफगढ़, नरेला और 25 अन्य स्थानों पर लगे हुए हैं। घनी आबादी वाले इलाकों में नहीं हो पाती निगरानी वायु प्रदूषण पर निगरानी रखने के लिए कहने को ये स्टेशन पूरे शहर में फैले हुए हैं। हालांकि ये स्टेशन शहर के सभी हिस्सों में एक समान रूप से नहीं लगाए गए हैं। कई स्टेशन कम आबादी वाले क्षेत्रों में स्थित हैं, जैसे कि इहबास, अरबिंदो मार्ग, असोला भट्टी वन रेंज के भीतर करणी सिंह शूटिंग रेंज और हौज खास जंगल के पास सिरीफोर्ट। ऐसे में कई घनी आबादी वाले इलाकों की निगरानी नहीं हो पाती है।

कमरे में लगी ई रिक्शा की बैटरी चार्जिंग के दौरान फटी, पति पत्नी सहित चार झुलसे

गाजियाबाद। मिली जानकारी के अनुसार विजयनगर थाना क्षेत्र के सर्वोदय नगर में चार्जिंग में लगी ई-रिक्शा की बैटरी धमाके के साथ फट गई। विस्फोट के बाद कमरे में आग लग गई। जिसमें वहां सो रहे दंपति और उनके बच्चे झुलस गए। चीख पुकार सुनकर स्थानीय लोगों ने चारों लोगों को जिला एवं अस्पताल में भर्ती कराया जहां से उन्हें आगे को रेफर कर दिया गया। पुलिस का कहना है कि घायलों की हालत खतरे से बाहर है। मिली जानकारी के मुताबिक 36 वर्षीय बॉबी सर्वोदय नगर की गली नंबर 2 में परिवार के साथ किराए के कमरे में रहते हैं। और ई रिक्शा चलाकर अपने आजीविका चलाते हैं। परिवार में 35 वर्षीय पत्नी बेबी,बच्चे 8 वर्षीय बेटा विवेक और 5 वर्षीय बेटी परी है।बॉबी ने घर पहुंचने के बाद ई रिक्शा की बैटरी निकाल कर कमरे में चार्जिंग पर लगा दी थी। और खाना खाने के बाद परिवार के साथ सो गया। सुबह करीब साढ़े छः बजे चारों लोग कमरे में सो रहे थे। इसी दौरान चार्जिंग पर लगी बैटरी धमाके के साथ फट गई। बैटरी फटने के बाद कमरे में आग लग गई। और बॉबी सहित चारों बुरी तरह से झुलस गए। चीख पुकार सुनकर आसपास के लोग इकट्ठा हो गए। उन्होंने जैसे तैसे चारों लोगों को कमरे से बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया गया।

जांच में लापरवाही पर कमिश्नरेट में तैनात दो निरीक्षक समेत 16 पुलिस कर्मी लाइन हाजिर

गाजियाबाद। मिली जानकारी के अनुसार जांच में लापरवाही पर कमिश्नर रेट में तैनात दो निरीक्षक समेत 16 पुलिस कर्मियों को लाइन हाजिर किया गया है। इनमें सिटी जोन के पांच और ग्रामीण जोन के नौ पुलिस कर्मी शामिल हैं। नंदग्राम थाने में तैनात निरीक्षक कमल किशोर, उप निरीक्षक सचिन मिश्रा, और अंकित राठौर, विजय नगर थाने में तैनात उप निरीक्षक सत्येंद्र कुमार, कवि नगर थाने में तैनात उप निरीक्षक विकास कुमार, ट्रांस हिंडन जोन में तैनात निरीक्षक उदयवीर समेत तीनों जोन के कुल 16 पुलिस कर्मियों को लाइन हाजिर किया गया है।

भारतीय संविधान और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का दृष्टिकोण, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और समरसता यह किताबें दिशा दर्शक होंगी: पूर्व राज्यपाल भगतसिंह कोश्यारी

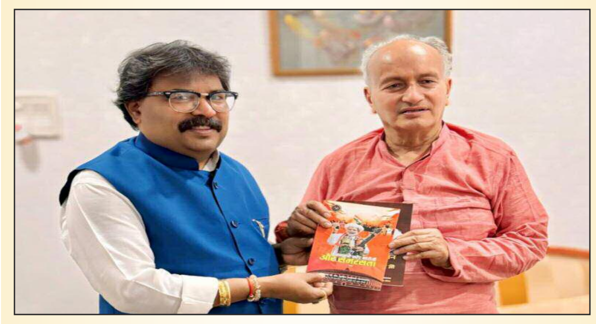

नई दिल्ली: लातूर के पूर्व सांसद संसदरत्न प्रोफेसर डॉ. एडवोकेट सुनील वत्सला बलिराम गायकवाड़ द्वारा लिखित दो पुस्तकें भारतीय संविधान की विशेषताएँ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का दृष्टिकोण तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और समरसता समाज के लिए मार्गदर्शक साबित होंगी, ऐसा प्रतिपादन महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल भगतसिंह कोश्यारी ने किया। दिल्ली में पूर्व राज्यपाल भगतसिंह कोश्यारी से भेंट के दौरान, पूर्व सांसद डॉ. सुनील बलिराम गायकवाड़ ने अपनी हाल ही में प्रकाशित पुस्तकों की प्रति उन्हें भेंट की और इन विषयों पर विस्तृत चर्चा की। इस अवसर पर कोश्यारी ने कहा कि सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने और संविधान की व्यापक जानकारी प्राप्त करने के लिए डॉ. सुनील गायकवाड़ की ये पुस्तकें अत्यंत उपयोगी हैं तथा सभी को इन्हें पढ़ना चाहिए। उन्होंने इस लेखन कार्य के लिए पूर्व सांसद डॉ. सुनील बलिराम गायकवाड़ की सराहना की, उन्हें शुभकामनाएँ दीं और उनके इस प्रयास के लिए हार्दिक बधाई भी दी।

दिल्ली पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़, दो के पैर में लगी गोली, तीन बदमाश पकड़े गए

बाहरी दिल्ली। रोहिणी जिला के बेगमपुर थाना क्षेत्र में एएटीएस और बदमाशों के बीच बुधवार की देर रात हुई मुठभेड़ में तीन बदमाश पकड़े गए हैं। मुठभेड़ के दौरान करीब आधा दर्जन से ज्यादा गोलियां चली है। इनमें से दो बदमाशों के पैर में गोली लगी है, जिन्हें जख्मी हालत में रोहिणी स्थित आंबेडकर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दर्ज हैं 100 से ज्यादा आपराधिक मामले आरोपितों की पहचान सुल्तानपुरी निवासी गोविंदा, पीतमपुरा गांव निवासी कृष्णा, मुरादाबाद निवासी दाऊद के रूप में हुई है। पुलिस जांच में पता चला कि अकेले गोविंदा पर ही 100 से ज्यादा आपराधिक मामले दर्ज हैं। कृष्णा 40 और दाऊद एक दर्जन से अधिक आपराधिक वारदातों को अंजाम दे चुका है। रोहिणी जिला पुलिस अधिकारी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर टीम ने बेगमपुर के पास इन्हें पकड़ने के लिए जाल बिछाया। इस दौरान बदमाशों ने पुलिस टीम को देखते ही फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दो के पैर में गोली लगी। बताया जा रहा है कि बदमाशों की ओर से चलाई गई एक गोली एक पुलिसकर्मी के बुलेज प्रूफ जैकेट पर लगी। बदमाशों से चोरी की एक क्रेटा कार और दो पिस्टल मिले हैं। पुलिस ने इसकी जानकारी क्राइम और एफएसएल टीम को दी। घटनास्थल से टीम ने कई साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस अब इनसे पूछताछ कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

दिल्ली मेट्रो के गोल्डन लाइन कॉरिडोर को लेकर बड़ा अपडेट, ऐसे निकलेगा भूमि अधिग्रहण का रास्ता

दक्षिणी दिल्ली। दिल्ली में एरो सिटी से तुगलकाबाद मेट्रो के गोल्डन लाइन कॉरिडोर पर खानपुर के बचे हुए 250 मीटर के हिस्से का भी काम जून में शुरू होने की संभावना है। दक्षिणी जिले के एलएसी (लैंड एक्विजिशन कलेक्टर) की ओर से सेक्शन-19 के तहत अवार्ड से पूर्व 21 मार्च को पहली जनसुनवाई होगी। लोगों की आपत्तियां दर्ज की जाएंगी। वहीं, मई में दूसरी जनसुनवाई के बाद जून में अवार्ड किया जाएगा। इसके बाद भूमि अधिग्रहण कर डीएमआरसी को हस्तांतरण किया जाएगा और इस हिस्से पर भी मेट्रो का काम शुरू हो जाएगा। अंडरग्राउंड चल रहा है काम दरअसल, एरो सिटी से तुगलकाबाद तक मेट्रो के गोल्डन लाइन का काम चल रहा है। साकेत जी ब्लाक से लेकर हमदर्द टी प्वाइंट तक एलिवेटेड लाइन और इसके आगे अंडरग्राउंड काम चल रहा है। खानपुर रेड लाइट से आगे करीब ढाई किलोमीटर तक एलिवेटेड मेट्रो लाइन के साथ फ्लाईओवर का भी काम हो रहा है। इसी बीच वाले हिस्से में खानपुर मार्केट के 250 मीटर की दूरी में भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया चल रही है। दक्षिणी जिला एडीएम कार्यालय के मुताबिक, भूमि अधिग्रहण अधिनियम-2013 के तहत ही खानपुर में जमीन अधिग्रहण करने की प्रक्रिया चल रही है। अधिनियम के प्रविधानों के तहत अधिग्रहण के लिए कुछ समय देना अनिवार्य होता है। अवार्ड की प्रक्रिया से पहले सेक्शन-19 के तहत 21 मार्च को खानपुर में पहली जनसुनवाई होगी। एलएसी मौके पर लोगों की आपत्तियां दर्ज करेंगे। आपत्तियों का निपटारा करते हुए अप्रैल के अंत में या मई के पहले सप्ताह में दूसरी जनसुनवाई होगी।

मेयर पर भारी पड़े पार्षद नगर

निगम के बजट में करोड़ों रुपए की होगी कटौती, 24 मार्च को बैठक में लगेगी मुहर

लखनऊ। नगर निगम के 2025- 26 के बजट में कटौती की जाएगी। पार्षद निधि भी बढ़ाई जाएगी। पार्षदों की नाराजगी के बाद मेयर सुषमा खर्कवाल और भाजपा महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी दिल्ली में रक्षा मंत्री से मिले थे। राजनाथ सिंह के सख्त निर्देश से विवाद अब समाधान की तरफ है। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक भी मामले में मध्यस्थता कर रहे हैं। साफ-सफाई के बजट और पार्षद निधि बढ़ाने को लेकर शुरू हुए विवाद में भाजपा के पार्षद अपनी ही पार्टी की मेयर के खिलाफ हो गए थे। इसके चलते पार्टी के नेता दो गुटों में बंट रहे थे। पार्टी की छवि धूमिल होने और अपनी ही सरकार के विरोध करने से गलत मैसेज जाने से संगठन के शीर्ष नेता नाराज हुए। तुरंत मामले का समाधान करने का निर्देश दिया गया।स्मार्ट सिटी की बैठक में समाधान की तरफ बढ़ी बातलखनऊ में नगर निगम में पार्षदों और महापौर के बीच में चल रही खींचतान को लेकर दो दिनों से लगातार मैराथन बैठक

की गई। इस दौरान बुधवार को स्मार्ट सिटी कार्यालय पर बैठक हुई। इसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के प्रतिनिधि दिवाकर त्रिपाठी, PRO राघवेंद्र शुक्ला, महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, महापौर सुषमा खर्कवाल के साथ में बागी पार्षदों का नेतृत्व कर रहे नेता भी शामिल हुए। इसके साथ ही कुछ पार्षद महापौर की तरफ से भी बैठक में शामिल रहे। नगर आयुक्त, वित्त अधिकारी सहित नगर निगम के अधिकारियों की टीम भी इस दौरान मौजूद रही। वहीं, मंगलवार को भाजपा नेता और राजनाथ सिंह के छोटे बेटे नीरज सिंह के यहां लखनऊ के विधायकों, महापौर, महानगर अध्यक्ष और बागी पार्षदों की बैठक हुई। इसके बाद एक बैठक शाम के समय में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के यहां भी हुई।लखनऊ नगर निगम में 24 मार्च को बजट की कार्यकारिणी बैठक की जाएगी। इसमें भाजपा के सभी 10 पार्षद मौजूद रहेंगे। पार्टी नेताओं की तरफ से यह निर्देश जारी किया गया है। बैठक में संशोधित बजट पर मुहर लगने के बाद जल्द सदन की बैठक बुलाई जाएगी।बजट बैठक से पहले तैयार किए गए 42 अरब के बजट में करोड़ों रुपए की कटौती को लेकर सभी पक्षों में सहमति बन गई है। अब नए संशोधित बजट में 500 करोड़ रुपए तक की कटौती हो सकती है। बुधवार को स्मार्ट सिटी कार्यालय में हुई बैठक में प्रस्तावित बजट को लेकर करीब 2 घंटे तक बातचीत चली।

धरना प्रदर्शन कर पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की हुई मांग

सुलतानपुर/ भव्य खबर। शहर स्थित तिकोनिया पार्क में पत्रकार संघर्ष समिति के बैनर तले जिले के पत्रकारों ने एक दिवसीय धरना प्रदर्शन करते हुए यूपी मुख्यमंत्री और जिलाधिकारी के नाम से ज्ञापन देते हुए विभिन्न मामलों को लेकर मांग उठाया है। वहीं पत्रकारों पर हो रहे हमले उनकी हत्या व उन पर दर्ज फर्जी मुकदमे को लेकर खासा आक्रोश दिखाया। पत्रकारों ने मुख्यमंत्री व जिलाधिकारी को संबोधित मांग पत्र सिटी मजिस्ट्रेट विदुषी सिंह को सौपा है। बताते चलें बीते दिनों सीतापुर में हुई पत्रकार राघवेंद्र वाजपेई की हत्या सुलतानपुर में कई पत्रकारों पर दर्ज फर्जी मुकदमे व पत्रकार मामले में पुलिसिया लापरवाही को लेकर पत्रकारों के समूह ने एक बैठक प्रेस क्लब में किया था। प्रदेश में पत्रकारों की समस्याओं उन पर बढ़ते जा रहे हमलो पत्रकारों के मामले में लचर पुलिसिया कार्यवाही को लेकर एक दिवसीय धरने का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वरिष्ठ पत्रकार मनोराम पांडेय ने कहा पत्रकारों को थाने कचहरी से दूर रहना चाहिए और खबर लिखते वक्त कहीं से भी पक्षकार बनने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। संगठन का पत्रकार बनाने के पहले उस व्यक्ति की जांच पड़ताल भी होना जरूरी है। यहां पत्रकार अरुण जायसवाल ने इस तरीके के आयोजन को आज के परिवेश में बहुत जरूरी बताया।सिटी मजिस्ट्रेट विदुषी सिंह को दर्जनों पत्रकारों के साथ मांग पत्र सौपा सिटी मजिस्ट्रेट विदुषी सिंह मिले मांग पत्र को यथोचित स्थान पर पहुंचाने व जिला प्रशासन से पत्रकारों की मांगों को अवगत कराने का आश्वासन दिया।

अंतर्राष्ट्रीय प्रसन्नता दिवस हमें याद दिलाता है कि प्रसन्नता एक मौलिक मानव अधिकार और लक्ष्य : डॉ. भारती सिंह

सुलतानपुर/ भव्य खबर। राणा प्रताप पी जी कॉलेज के बी एड़ विभाग द्वारा विश्व गौरैया दिवस, विश्व प्रसन्नता दिवस और विश्व मौखिक स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में विद्यार्थी संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए विभागाध्यक्ष डॉ. भारती सिंह ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय प्रसन्नता दिवस हमें याद दिलाता है कि प्रसन्नता एक मौलिक मानव अधिकार और लक्ष्य है। डॉ संतोष सिंह अंश ने कहा कि खुशी सिर्फ एक भावना नहीं, बल्कि एक जीवनशैली है। विश्व प्रसन्नता दिवस हमें यह याद दिलाता है कि खुश रहना और दूसरों को खुश रखना हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होना चाहिए। असिस्टेंट प्रो शांतिलता कुमारी ने कहा कि गौरैया एक समय हर जगह देखने को मिलती थी, लेकिन शहरीकरण, मोबाइल टावरों से निकलने वाले रेडिएशन, और प्राकृतिक आवासों की कमी के कारण इनकी संख्या तेजी से घट रही है। हमें गौरिया को बचाने के प्रयास में अपनी भूमिका तय करनी पड़ेगी। हमें अपने मौखिक स्वास्थ का विशेष ध्यान रखना चाहिए। डॉ सीमा सिंह ने कहा कि हमें अपने जीवन मे आंतरिक और बाह्य प्रसन्नता बनाये रखने का आचरण करना चाहिए। विद्यार्थियों में अर्चिता सिंह, आस्था निषाद, हिमांशु सिंह ने प्रभावी विचार व्यक्त किये। संगोष्ठी का संचालन सफलतापूर्वक अनुभवी सिंह ने किया। संगोष्ठी के पश्चात गौरैया के लिए जलपात्र रखे गए। इस अवसर पर दर्जनों बीएड़ विभाग के विद्यार्थी उपस्थित रहे। वही दूसरी तरफ गणपत सहाय पी.जी. कालेज महाविद्यालय निकट सीताकुंड घाट जनपद सुलतानपुर में अमित सिंह प्रभागीय निदेशक, सामाजिक वानिकी वन विभाग, सुलतानपुर की अध्यक्षता में अभिनन्दन प्रताप सिंह, जिला परियोजना अधिकारी, डजीसी द्वारा विश्व गौरैया दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित महाविद्यालय के प्राचार्य ने विद्यार्थियों को गौरैया के संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही प्रभागीय निदेशक ने गौरैया के संरक्षण, आवास एवं भोजन के प्रति विस्तृत रूप से जानकारी दी गई। प्रभागीय निदेशक एवं प्राचार्य महाविद्यालय ने छात्र-छात्राओं को गौरैया के संरक्षण हेतु घोंसला दिया गया एवं प्रभागीय निदेशक ने महाविद्यालय को 25 खोसला विद्यालय में लगाने हेतु दिया गया कार्यक्रम के दौरान अभिनंदन प्रताप सिंह, जिला परियोजना अधिकारी, डीजीसी, सुलतानपुर, डीके यादव उप क्षेत्रीय वन अधिकारी, कृष्ण प्रकाश दर्जी, जेआरएफ पर्यावरण निदेशालय, वन विभाग अधिकारी/कर्मचारी, महाविद्यालय के शिक्षक गण एवं छात्र व छात्राएं सहित अन्य कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

योगी सरकारः 8 साल बेमिसाल

सीएम योगी के ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट व ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी जैसे प्रयासों ने प्रदेश को 'उद्यम प्रदेश' के तौर पर दिलाई मान्यता

लखनऊ/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव । उत्तर प्रदेश ने बदलाव की जिस बयार का पिछले 8 वर्ष में साक्षात्कार किया है, वह अद्भुत व अकल्पनीय है। वर्ष 2017 में योगी सरकार ने पीएम मोदी के रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म के विजन को धरातल पर उतारने का जो संकल्प उठाया था, वह अनवरत जारी है। 8 साल में उत्तर प्रदेश बीमारू से ब्रेक-थ्रू प्रदेश बनकर देश की अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन व फेवर्ड डेस्टिनेशन बनकर उभरा। यह योगी सरकार की सार्थक नीतियों और सशक्त कार्यप्रणाली के कारण ही संभव हो सका। सीएम योगी ने प्रदेश में औद्योगिक निवेश को आकर्षित करने, कारोबारी सुगमता में सुधार करने व रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के जो ठोस कदम उठाए, उनका ही असर है कि उत्तर प्रदेश देश में उद्यम प्रदेश की अपनी पहचान सशक्त कर रहा है। उद्योगों को मिले बढ़ावे के कारण राज्य के सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई। 8 साल में प्रदेश की जीएसडीपी 2017 की अपेक्षा दोगुनी होकर 27.51 लाख करोड़ रुपए होने जा रही है व जल्द ही 30 लाख करोड़ का आंकड़ा पार कर लेगी। योगी सरकार के प्रयासों से प्रदेश में 45 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव आए, जिसमें से 15 लाख करोड़ रुपए के निवेश को धरातल पर उतारा जा चुका है। इससे 60 लाख युवाओं को रोजगार मिला। प्रदेश वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी बनने की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहा है।

नीतिगत सुधारों ने बदला कारोबारी माहौल

पिछले आठ वर्ष में प्रदेश में औद्योगिक विकास को गति देने के लिए नीतिगत सुधारों पर विशेष फोकस रहा। योगी सरकार ने ह्यईज ऑफ डूइंग बिजनेसह्ल को प्राथमिकता दी। औद्योगिक निवेश व रोजगार संवर्धन नीति-2017 लागू की गई, जिसके तहत निवेशकों को कर छूट, सब्सिडी और जमीन आवंटन में सहूलियत दी गई। प्रदेश में 33 सेक्टोरल पॉलिसी लागू की गईं, जिससे उत्तर प्रदेश औद्योगिक विकास का केंद्र बनकर उभरा। विश्व बैंक की कारोबारी सुगमता रैंकिंग में 2017 में जो उत्तर प्रदेश 14वें स्थान पर था, 2022 में वह दूसरे स्थान पर पहुंच गया। "निवेश मित्र" पोर्टल की शुरूआत ने ऑनलाइन मंजूरी प्रक्रिया को पारदर्शी और तेज बनाया, जिससे निवेशकों का उत्तर प्रदेश में भरोसा बढ़ा।

जीआईसी व जीबीसी ने लिखा निवेश का नया अध्याय

योगी सरकार ने उत्तर प्रदेश ने निवेश को आकर्षित करने के लिए वैश्विक मंच तैयार किया। प्रदेश में वर्ष 2018 में पहली बार ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआ-ईसी) का आयोजन किया। फरवरी 2023 में आयोजित "यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023" इस दिशा में मील का पत्थर साबित हुआ। निवेश प्रस्तावों धरातल पर उतारने के लिए सरकार ने ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी) की शुरूआत भी की गई। 2018 से अब तक चार जीबीसी आयोजित हो चुकी हैं, जिनमें करोड़ों रुपए की परियोजनाओं को धरातल पर उतारने में मदद मिली।

इन पहलुओं पर डालिए नजर...

प्रदेश में एमएसएमई क्षेत्र में 90 लाख से अधिक रोजगार के अवसर पैदा हुए। प्रदेश के निर्यात को 86 हजार करोड़ से बढ़ाकर 2 लाख करोड़ पहुंचाने में ओडीओपी सेक्टर का बड़ा योगदान है।

डिफेंस कॉरिडोर, मेडिकल और फार्मा सेक्टर में 63,475 करोड़ रुपये के निवेश से स्वास्थ्य सेवाओं और विनिर्माण में रोजगार बढ़ा।

एक्सप्रेसवे, हवाई अड्डों और डिजिटल कनेक्टिविटी ने राज्य को निवेश के लिए आकर्षक बनाया। पर्यटन, नवीकरणीय ऊर्जा, एआई, इलेक्ट्रॉनिक मैनुफैक्चरिंग, स्टार्टअप जैसे क्षेत्रों में भी अभूतपूर्व प्रगति हुई।

प्रधानमंत्री मित्र योजना के अंतर्गत लखनऊ-हरदोई में मेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल एवं अपैरल पार्क, हरदोई व कानपुर में मेगा लेदर क्लस्टर, गोरखपुर में प्लास्टिक पार्क, कन्नौज में परफ्यूम पार्क तथा गाजियाबाद, लखनऊ, कानपुर नगर, गोरखपुर व हापुड़ में केमिकल और फार्मा पार्क निमार्णाधीन हैं।

मुख्यमंत्री सूक्ष्म उद्यमी दुर्घटना बीमा योजना के अंतर्गत पंजीकृत उद्यमी की मृत्यु अथवा अपंगता पर 5 लाख रुपए के सहयोग का भी प्रावधान किया गया है।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अंतर्गत 16 हजार मामलों में ऋण स्वीकृत हुए, 06 हजार मामलों में ऋण वितरित किए जा चुके हैं। प्रदेश में अटल इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन का भी हुआ शुभारंभ।

उत्तर प्रदेश में यूपीसीडा, नोएडा, ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण, यूपीडा, गीडा व बीडा का विकास एवं गठन कर औद्योगिक गतिविधियों को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है।

नोएडा के बाद बीडा के रूप में प्रदेश में 47 साल बाद नए औद्योगिक शहर को बसाने की कार्रवाई जारी है।

बुंदेलखंड में ड्रग व फार्मा पार्क की स्थापना में भी तेजी लाई जा रही है।

प्रदेश में निवेश को ट्रैक कर उसे धरातल पर उतारने के लिए इन्वेस्ट यूपी को कार्यदायी संस्था बनाया गया है। लैंड पूलिंग,अलॉटमेंट, निवेश मित्र, निवेश सारथी समेत तमाम प्रयासों व बदलावों में इन्वेस्ट यूपी का बड़ा योगदान है।

फैक्टर मीटर

4,674 - रेगुलेटरी कंप्लायंस बर्डन को प्रदेश में किया गया उद्योगों की सुगमता के लिए कम

06 - औद्योगिक गलियारे पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर तथा 06 औद्योगिक गलियारे बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर हो रहे विकसित

500 - फॉर्च्यून ग्लोबल व फॉर्च्यून इंडिया कंपनियों का प्रदेश में निवेश आकर्षित करने के लिए प्रोत्साहन नीति हुई निर्मित

97 - प्रतिशत से अधिक के निस्तारण दर के साथ निवेश मित्र पर 43 विभागों की 487 से अधिक ऑनलाइन सेवाएं हैं उपलब्ध

होली मिलन में फूलों की होली खेली और फाग गीतों पर देर रात तक थिरकते रहे लोग

परिवारिक होली मिलन:संस्कार भारती सनातन संस्कृति को मजबूत कर रही: रजनीकांत मणि

संवाददाता
कसया, कुशीनगर। सामाजिक, सांस्कृतिक, लोक कलाओं को समर्पित अखिल भारतीय संस्था संस्कार भारती तत्वाधान में बुद्ध स्थली स्थित बिड़ला धर्मशाला में परिवारिक होली मिलन समारोह में महिला, पुरुष और बच्चों ने फूलों की होली खेली और फाग गीतों पर देर रात तक थिरकते हुए एक दूसरे को बधाई दी।

बुधवार की शाम को आयोजित समारोह का शुभारंभ अतिथियों ने मां सरस्वती और नटराज के चित्र के समक्ष पुष्प अर्चन और दीप प्रज्वलन कर किया और संस्कार भारती का ध्येय गीत प्रस्तुत किया गया। मुख्य अतिथि बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुशीनगर के प्राचार्य प्रो. विनोद मोहन मिश्रा ने कहा कि होली मिलन, समरसता और प्रेम, बंधुत्व का प्रतीक है। फूलों की होली ब्रज क्षेत्र में प्राचीन काल से खेली जाती रही है। यह श्रीकृष्ण और राधा के दिव्य प्रेम को याद

दिलाता है। अध्यक्षता करते हुए पूर्व विधायक और संस्कार भारती के संयोजक रजनीकांत मणि त्रिपाठी ने बताया कि संस्कार भारती सनातन संस्कृति, परम्परा, राष्ट्र प्रेम और एकता को मजबूत करने के लिए सांस्कृतिक, लोक कला के माध्यम से करती आ रही है और कलाकारों को व्यापक मंच दे रही है। इसी क्रम में आरएसएस के प्रो. सीएस सिंह, डॉ सीपी गुप्ता, डॉ निगम मौर्य, वीरेंद्र नाथ त्रिपाठी आदि ने संबोधित किया कार्यक्रम में सुनील मिश्रा, विमल श्रीवास्तव, पिंटू, प्रीतम, साक्षी श्रीवास्तव, कली, गुनगुन, काजल ने होली गीत, लोक गीत, नृत्य आदि प्रस्तुत किया। राधाकृष्ण की झांकी मनोहारी रही। जिसे देख लोगों ने सराहना की। समापन वंदे मातरम के सामूहिक गान से हुआ। अतिथियों का स्वागत संस्कार भारती के महामंत्री गोरक्ष प्रांत डॉ अनिल कुमार सिन्हा और आभार आलोक श्रीवास्तव व संचालन वीरेश कुमार राय ने किया। इस दौरान सभासद केशव सिंह, डॉ एसके सिंह, अशोक कुमार, उमेश कुमार गुप्ता उर्फ कुन्नू, त्रिभुवन नाथ त्रिपाठी सहित भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त डायरी

भाजपा नेता व शिक्षक राणा प्रताप मिश्र के जन्मदिन पर हुआ पौधरोपण

संवाददाता
कुशीनगर। भाजपा नेता व विद्यावती देवी महाविद्यालय के शिक्षक राणाप्रताप मिश्र का तैंतीसवां जन्मदिन महाविद्यालय परिसर में पौधरोपण कर मनाया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अभय कुमार राय ने कहा कि उत्सवों को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन के खतरे को देखते हुए हमें अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए, जिससे आने वाली पीढ़ियों को शुद्ध वातावरण मिल सके। कहा कि यदि हर व्यक्ति अपने जन्मदिन या किसी विशेष अवसर पर एक पौधा रोपित करे और उसकी देखभाल करे तो आने वाले वर्षों में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक बड़ा परिवर्तन देखा जा सकता है। उन्होंने छात्रों और शिक्षकों से भी अपील की कि वे इस अभियान को अपनाएं और दूसरों को भी प्रेरित करें। इस दौरान महाविद्यालय के प्रबंध समिति के कोषाध्यक्ष महेंद्र कुमार, डायरेक्टर गुड्डू राय, शिक्षक डॉ. सुनील सिंह, प्रभु प्रसाद, डॉ. मीना राय, पप्पू गुप्ता, ओम कुशवाहा, नित्यानंद सिंह, पवन वर्मा, निशा खरवार, राजेश यादव मौजूद रहे।

खतरनाक चोट पहुंचाने के गुनाहगार को चार साल की सख्त सजा के साथ ही हुआ नौ हजार रुपये का जुमार्ना

संवाददाता
हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर के राठ में 9 सितम्बर 2010 में अभियुक्त ने पीड़ित के घर में घुसकर मारपीट करने के साथ ही जातिसूचक लफ़्ज़ों के इस्तेमाल के साथ ही गालीगलौज करना और जान से मारने की धमकी देने के मामले में दर्ज हुये अ0सं0-1669/2010 धाराझ्र 452,323,325,504,506 आईपीसी 3(1)10 एससीएसटी के तहत अभियुक्त मनोज पुत्र हरीसिंह लोधी निवासी अमगांव राठ के खिलाफ दर्ज किया गया था, वहीं आपरेशन कन्विक्शन के तहत हमीरपुर की एससी,एसटी अदालत के स्कालर जज ने अभियुक्त मनोज पुत्र हरीसिंह लोधी गुनाहगार मानते हुये चार साल की सख्त सजा के साथ ही हुआ नौ हजार रुपये का जुमार्ना, जबकि मामले की जांच सीओ परमलाल वर्मा ने पूरी करने के बाद अदालत में चार्जशीट दाखिल करदी थी,जबकि अभियोजन की तरफ से एडीजीसी विजय सिंह की जोरदार पैरवी के चलते अभियुक्त मनोज को गुनाहगार मानते हुये चार साल की सख्त सजा के साथ ही हुआ नौ हजार रुपये का जुमार्ना।

हमीरपुर की कुरारा पुलिस ने फरार चल रहे दो अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

संवाददाता

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर की कुरारा पुलिस ने अपराधियों की धरपकड़ के लिये चलाये जा रहे अभियान के तहत मु0अ0सं0 70/2025 धारा 110/115(2)/352/351(3) इठर के तहत फरार चल रहे थाना क्षेत्र के ग्राम डामर निवासी अभियुक्त 48 वर्षीय कमलेश पुत्र स्व० सैय्यददीन अहिरवार, जबकि 19 वर्षीय कृष्णा पुत्र कमलेश अहिरवार निवासी ग्राम डामर कुरारा को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया। वही अभियुक्तों को गिरफ्तार करने वाली टीम में खासतौर से एस आई हरिद्वार प्रसाद, कांस्टेबल सौरभ सिह सहित कांस्टेबल जसपाल सिह शामिल रहे।

राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि मामले में टली सुनवाई

सुलतानपुर। नेता प्रतिपक्ष और रायबरेली से कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ दायर मानहानि मामले में आज सुल्तानपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट में सुनवाई टल गई। दीवानी न्यायालय में होली मिलन कार्यक्रम को लेकर अधिवक्तागण न्यायिक कार्य से विरत रहे। कोर्ट में सुनवाई नहीं हो सकी। अब मामले में कोर्ट ने 3 अप्रैल को सुनवाई की तारीख रखी है। तीन अप्रैल को राहुल गांधी के अधिवक्ता अगले गवाह से जिरह करेंगे। पिछली सुनवाई 6 मार्च को होनी थी, लेकिन परिवादी और गवाह दोनों कोर्ट में नहीं पहुंचे थे। इस साल की शुरूआत में वकीलों की हड़ताल और राहुल के अधिवक्ता की अस्वस्थता के कारण कई बार सुनवाई टल गई। 11 फरवरी को राहुल के अधिवक्ता काशी प्रसाद शुक्ला ने परिवादी से जिरह की। पिछली सुनवाई पर परिवादी कोर्ट परिसर में तो मौजूद थे, लेकिन कोर्ट रूम में नहीं गए।कोतवाली देहात के हनुमानगंज निवासी व भाजपा नेता विजय मिश्रा ने वर्ष 2018 में राहुल गांधी के विरुद्ध मान हानि का परिवाद टढ/टछअ कोर्ट में दर्ज कराया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि कर्नाटक चुनाव के दौरान राहुल गांधी ने अभद्र टिप्पणी की थी, इससे मैं आहत हुआ हूं। कोर्ट में पांच साल लंबी प्रक्रिया चली, राहुल गांधी हाजिर नहीं हुए तो दिसंबर 2023 में तत्कालीन जज ने वारंट जारी कर उन्हें तलब किया था। तब फरवरी 2024 को राहुल गांधी ने कोर्ट में सरेंडर किया। 26 जुलाई को दर्ज हुआ था राहुल गांधी का बयान वशेष मजिस्ट्रेट ने उन्हें 25-25 के दो मुचलके पर जमानत दे दी थी। इसके बाद राहुल गांधी को कोर्ट ने बयान दर्ज करने के लिए बुलाया। दर्जन भर तारीख पड़ने के बाद बीते 26 जुलाई को राहुल कोर्ट में पहुंचे और उन्होंने अपना बयान दर्ज कराया था। उन्होंने स्वयं को निर्दोष बताया, कहा था मेरे खिलाफ राजनीतिक साजिश हो रही है। इसके बाद कोर्ट में वादी को साक्ष्य प्रस्तुत करने के निर्देश हुए।
12 अगस्त को सुनवाई की तिथि थी, जहां विशेष कोर्ट के जज अवकाश पर रहे और सुनवाई टल गई।

राबड़ी से बोले नीतीश-पति के सस्पेंशन पर सी.एम बन गईं

आपलोगों ने कुछ काम नहीं किया, सदन में विधायक पर भड़के मुख्यमंत्री, कहा- मोबाइल बैन हो

पटना। विधान परिषद में गुरुवार को कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष के MLC ने लॉ एंड ऑर्डर पर हंगामा किया। CM नीतीश कुमार की मौजूदगी में नारेबाजी की गई। RJD के MLC नारेबाजी करते हुए वेल में आ गए। इस बीच CM नीतीश कुमार अपनी सीट से उठे और कहा कि 'आपलोगों से आग्रह है कि अपनी जगह बैठ जाइए। कहीं भी कुछ होता है तो कार्रवाई होती है।' इस पर भी विपक्ष का हंगामा जारी रहा। जिसके बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राबड़ी देवी से कहा- 'आपका क्या है। पति का सस्पेंशन हुआ तो आपको मुख्यमंत्री बना दिया। घर का मामला था तो आपको बना दिया।'वहीं, सदन के बाहर बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने कहा, 'बिहार में सुशासन की सरकार में आए दिन हत्या, बलात्कार, चोरियां हो रही हैं। सरकार के पास इसे रोकने की शक्ति नहीं है।'CM के इस बयान के बाद विपक्ष ने विधान परिषद से वॉक आउट किया, फिर वापस आ गए। इधर श्रम संसाधन मंत्री संतोष कुमार सिंह ने कहा- 'विपक्ष को अपराध पर बोलने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। मेरे बेटे का अपहरण हुआ था और विपक्ष के एक नेता ने फिरौती की मांग की थी। 'चमचागिरी' पर विधान परिषद में जोरदार हंगामा लॉ एंड ऑर्डर पर हो रहे हंगामे के बीच सभापति की तरफ देखते हुए राजद MLC ने 'चमचागिरी नहीं चलेगी' के नारे लगाए। जिस पर मंत्री विजय चौधरी ने कहा 'पूरी कार्रवाई की वीडियो क्लिपिंग मंगा कर देखना चाहिए अगर विपक्ष ने आसन के बारे में 'चमचागिरी' शब्द कहा है तो यह घोर अपराध है। इस पर एमएलसी अब्दुलबारी सिद्दीकी ने कहा कि 'चमचागिरी' शब्द आसन के बारे में कैसे कहा जा सकता है? सत्ता पक्ष के जो लोग उकसा रहे थे उनके लिए इस शब्द का प्रयोग किया गया, लेकिन अगर किसी को उससे ठेस पहुंची है तो हम खेद प्रकट करते हैं। जिस पर विजय चौधरी ने कहा कि 'जब विपक्ष की तरफ से खेद प्रकट कर दिया गया है तब, सभापति को इस पर फैसला लेना चाहिए।' इसके बाद सभापति बोले- 'विपक्ष ने इस मामले में खेद जता दिया है इसे यहीं खत्म कर देना चाहिए।' CM नीतीश बोले- विधानसभा में मोबाइल फोन बैन हो इससे पहले विधानसभा में जहानाबाद से RJD विधायक सुदय यादव मोबाइल देखकर सदन में सवाल पूछ रहे थे। तभी CM नीतीश कुमार अचानक सदन में खड़े हुए गए। मुख्यमंत्री ने कहा- 'सदन के अंदर मोबाइल बैन होना चाहिए। सदन के अंदर कोई मोबाइल लेकर नहीं आए। CM ने स्पीकर को कहा- 'मोबाइल लेकर आता है उन्हें बाहर कीजिए।'

जद (यू) प्रदेश जिला प्रवक्ताओं एवं मीडिया सेल के जिला अध्यक्षों की महत्वपूर्ण बैठक

पटना/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव । जद (यू) प्रदेश कार्यालय, पटना में पूर्णिया, मुंगेर, मगध एवं कोशी प्रमंडल के जिला प्रवक्ताओं एवं मीडिया सेल के जिला अध्यक्षों की महत्वपूर्ण बैठक हुई। उक्त बैठक में सरकार की उपलब्धियों, पार्टी की नीतियों एवं माननीय मुख्यमंत्री नीतिश कुमार के विजन को बिहार के हर एक व्यक्ति तक पहुंचाने को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में विधानपरिषद् में उपनेता सह पार्टी के कोषाध्यक्ष ललन कुमार सर्राफ, राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन, विधानपार्षद सह मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार, प्रदेश प्रवक्ता डॉ निहोरा प्रसाद यादव, प्रदेश महासचिव सह मुख्यालय प्रभारी (स्थापना) चंदन कुमार सिंह, प्रदेश महासचिव सह मुख्यालय प्रभारी (आईटी) मनीष कुमार, प्रदेश प्रवक्ता हिमराज राम, अरविन्द निषाद, नवल शर्मा, अनु प्रिय, परिमल कुमार, मनीष यादव, जद (यू) मीडिया सेल के प्रदेश अध्यक्ष मनीष कुमार, मीडिया पैनेलिस्ट मधुरेन्द्र पाण्डेय, महेश दास, अकबर अली एवं किशोर कुणाल मौजूद रहे।

रक्सौल में किसान की गला रेतकर हत्या

मोतिहारी। के रक्सौल थाना क्षेत्र के जटियाही गांव में बुधवार की रात बदमाशों एक किसानों की गला रेतकर हत्या कर दी। जिसके बाद हत्यारों ने शव को उनके ही खेत में उनके ट्रैक्टर ट्रॉली में रख दिया और मौके से फरार हो गए। लोगों को घटना की जानकारी सोमवार की सुबह मिली। जिसकी जानकारी के बाद मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। मृतक की पहचान रमेश सिंह के रूप में हुई है।

बताया गया कि मृतक बीते तीन दिनों से अपने गांव के पास नहर से कुछ दूरी पर स्थित गन्ने के खेत में पानी पटाने जा रहे थे। हर बार की तरह इस बार भी वे अपने ट्रैक्टर के साथ खेत में गए थे। वहीं बुधवार की रात उनके साथ उनका सहायक अजय भी था। बताया जा रहा है कि रमेश सिंह ने अजय को देर रात घर भेज दिया और खुद खेत में रुक गए।वहीं सुबह जब अजय खेत पर वापस आया तो उसने रमेश सिंह का शव ट्रैक्टर ट्रॉली में पड़ा पाया। जिसके बाद उसने तुरंत गांववालों और परिजनों को सूचना दी। खबर फैलते ही गांव में सनसनी फैल गई। परिजनों ने शव को घर लाकर पुलिस को सूचना दी।

जांच में जुटी पुलिस घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय एसडीपीओ धीरेन्द्र कुमार और थानाध्यक्ष राजीव नंदन सिन्हा मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। हालांकि, फिलहाल पुलिस ने किसी ठोस नतीजे पर पहुंचने से इनकार किया है और कहा है कि जल्द ही सच्चाई सामने आएगी।

नित्यानंद राय के 2 भांजों के बीच फायरिंग,एक की मौत

भागलपुर। में गुरुवार सुबह केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय के भांजों के बीच गोलीबारी हुई है। इसमें एक भांजे विकल यादव की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दूसरा जयजीत यादव गंभीर रूप से घायल है। बताया जा रहा है कि नित्यानंद राय की बहन को भी गोली लगी है। मामला नवगछिया के जगतपुर गांव का है। गोलीबारी के बाद दोनों को इलाज के लिए भागलपुर के डॉक्टर एनके यादव के क्लिनिक में भर्ती कराया गया। जहां एक विकल को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। जयजीत यादव की हालत नाजुक बनी हुई है।यजीत की पत्नी ने कहा- 'दोनों भाइयों के बीच पिछले एक साल से जमीन को लेकर विवाद करता था।नवगछियां SP प्रेरणा कुमार ने बताया- 'दोनों भाइयों के बीच नल को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद दोनों के बीच करीब 3 राउंड फायरिंग हुई। मृतक विकल को एक गोली लगी है, जबकि जयजीत को 2 बुलेट लगी है।'चश्मदीद ने बताया- 'सुबह साढ़े 6 बजे जयजीत को पानी देने वाले नौकर ने बर्तन में हथेली डुबोकर पानी दिया। इसे लेकर विकल से उसकी कहासुनी हो गई। पहले से भी दोनों भाइयों के बीच संबंध अच्छे नहीं थे। विवाद बढ़ा तो विकल घर के अंदर से पिस्टल ले आया और जयजीत के मुंह पर निशाना साधकर फायर कर दिया। गोली जबड़े के आर-पार हो गई।' नवगछिया एसपी प्रेरणा कुमार ने कहा- 'सुबह 8 बजे परबत्ता के जगतपुर गांव में दो भाइयों के एक दूसरे पर गोली चलाने की सूचना मिली। जानकारी के बाद SHO परबत्ता मौके पर पहुंचे और गोली लगने से घायल लोगों को अस्पताल लाया गया।

वसूधा केंद्र संचालक से 2.20 लाख की लूट

सीतामढ़ी। में अपराधियों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामला रिगा थाना क्षेत्र का है, जहां अपराधियों ने वसूधा केंद्र संचालक से 2 लाख 20 हजार रुपये की लूट कर ली। घटना बैंक ऑफ बड़ौदा की मुख्य शाखा से रमनगरा के बीच भवदेपुर-रमनगरा मार्ग की है।कैसे हुई वारदात?वसूधा केंद्र की संचालिका शकुंतला कुमारी के पति बैंक से पैसे निकालकर केंद्र की ओर जा रहे थे। इसी दौरान अपराधियों ने बैंक से ही उनका पीछा किया। भवदेपुर-रमनगरा मार्ग पर पहुंचते ही तीन बदमाशों ने उनकी बाइक को धक्का मारकर गिरा दिया। इसके बाद गले पर पिस्टल सटाकर डिक्की की चाबी छीन ली और रुपये लेकर उत्तर दिशा में फरार हो गए। पुलिस जांच में जुटी घटना की सूचना मिलते ही रिगा थाना प्रभारी संजीव कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। इसके अलावा डीएसपी राम कृष्णा, नगर थाना के इंस्पेक्टर विनय प्रताप सिंह और इंस्पेक्टर संदीप कुमार सरदार ने भी टीम के साथ घटनास्थल का जायजा लिया।

स्थापना दिवस पर निकाला गया जागरूकता अभियान

जहानाबाद। में बिहार स्थापना दिवस के अवसर पर जहानाबाद में विभिन्न कार्यक्रमों की शुरूआत हुई। जहां जिला अधिकारी अलंकृता पांडे ने हरी झंडी दिखाकर स्कूली बच्चों की प्रभात फेरी को रवाना किया। घोसी के प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी नरेंद्र कुमार के नेतृत्व में निकली इस प्रभात फेरी में कई विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी ने बताया कि हर वर्ष 22 मार्च को बिहार दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर बिहार के गौरवशाली इतिहास के बारे में लोगों को जागरूक किया जा रहा है। बिहार को शिक्षा का केंद्र माना जाता था। यहां की नालंदा यूनिवर्सिटी में देश-विदेश से लोग शिक्षा प्राप्त करने आते थे।

यह कार्यक्रम तीन दिनों तक चलेगा। इसमें साइकिल दौड़ का आयोजन होगा। साथ ही शराबबंदी, स्वच्छता, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रदूषण नियंत्रण, दहेज प्रथा और बाल विवाह जैसी सामाजिक समस्याओं पर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जागरूकता फैलाई जाएगी।

मालिक पर फायरिंग, बचाने आया डॉगी, गोली लगने से मौत

समस्तीपुर। में मालिक राकेश पासवान को बचाने में पालतू डॉगी सुखला (07) की मौत हो गई। बाइक सवार अपराधियों ने उसकी गोली मारकर हत्या कर दी। मौत के पहले लोग उसे खून से सने हालत में पुचकारते हुए दिखे। घटना समस्तीपुर जिले के मुसरीघरारी थाना क्षेत्र के गंगापुर वार्ड नंबर 12 की है। दरअसल, गुरुवार सुबह बाइक सवार तीन अपराधी राकेश पासवान की हत्या की नीयत से उसके घर पहुंचे।राकेश, घर के बाहर ब्रश कर रहे थे। तभी अपराधियों ने फायरिंग शुरू कर दी। इस दौरान डॉगी, राकेश के सामने आ गया, जिसके कारण उसे गोली लग गई। इलाज के लिए अस्पताल लाने के दौरान उसकी मौत हो गई।वहीं फायरिंग के दौरान चीखने-चिल्लाने की आवाज सुनकर मौके पर पहुंचे लोगों ने बाइक सवार तीन अपराधियों में से एक को पकड़ लिया और उसकी पिटाई की। पकड़े गए अपराधी की पहचान गंगापुर वार्ड नं 12 निवासी अनमोल चौरसिया के रूप में हुई है। वहीं बाइक सवार दो अन्य अपराधियों की पहचान मनदीप पासवान और नीरज कुमार के रूप में हुई है। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने अनमोल को गिरफ्तार कर लिया है। घटनास्थल से पुलिस ने खोखा भी बरामद किया है। डॉगी के शव को पोस्टमार्टम के लिए समस्तीपुर पशुपालन अस्पताल भेजा गया है।

ना झुका हूं, ना झुकूंगा, टाइगर अभी जिंदा है

पटना। में ईडी की पूछताछ के बाद लालू यादव के समर्थन में पोस्टर लगे हैं। पोस्टर में लालू यादव और तेजस्वी यादव की तस्वीर के साथ लिखा, 'ना...झुका हूं, ना झुकूंगा। टाइगर अभी जिंदा है।' ये पोस्टर राबड़ी आवास, आरजेडी कार्यालय, इनकम टैक्स समेत अलग-अलग जगहों पर निशांत मंडल और संजू कोहली की ओर से लगाए गए हैं। इन पोस्टर्स के जरिए आरजेडी ये संदेश देने की कोशिश में है कि लालू परिवार किसी के दबाव में झुकने वाला नहीं है। इसमें RSS, पीएमओ, सीबीआई, ईडी को भी दिखाया गया है। पार्टी के कार्यकताओं का कहना है कि जांच एजेंसी बीजेपी और केंद्र सरकार के इशारे पर काम कर रही है। बिना किसी वजह से लालू परिवार को परेशान किया जा रहा है।आरजेडी सुप्रीमो से 4 घंटे तक हुई थी पूछताछ दरअसल, बुधवार को लैंड फॉर जॉब केस में RJD सुप्रीमो लालू यादव से ईडी ने करीब 4 घंटे तक पूछताछ की। एऊ ने पूछा- 'राबड़ी देवी और मीसा भारती को सस्ते में जमीन क्यों बेची गई।' साथ ही ये भी पूछा- 'रजिस्ट्री के बाद संजय राय और उसके परिवार को नौकरी मिली, ऐसा क्यों।' . किशुन देव राय ने अपनी 3 हजार वर्ग फीट की जमीन मात्र 3 लाख 75 हजार रुपए में राबड़ी देवी को ही क्यों बेची। 2. राज कुमार सिंह, मिथिलेश कुमार और अजय कुमार से आप कब मिले थे। 3. आप से मिलने और राबड़ी देवी को जमीन मिलने के बाद ही इन तीनों को मध्य रेलवे मुंबई में ग्रुप डी के पद पर नौकरी क्यों मिली। 4. महुआ बाग के रहने वाले संजय राय ने भी अपनी 3 हजार 375 वर्ग फीट जमीन राबड़ी देवी को तीन लाख 75 हजार में क्यों बेची। 5. राबड़ी देवी के नाम जमीन रजिस्ट्री होने के बाद संजय राय और उसके परिवार के दो सदस्य को रेलवे में नौकरी मिली, ऐसा क्यों। 6. किरण देवी ने अपनी 80 हजार 905 वर्ग फीट जमीन 3 लाख 70 हजार रुपए में आखिर आपकी बेटी मीसा भारती को ही क्यों बेची। 7. जमीन रजिस्ट्री के बाद ही किरण देवी के बेटे अभिषेक कुमार को सेंट्रल रेलवे मुंबई में नौकरी मिली, ऐसा क्यों। 8. आप से मिलने के बाद हजारी राय के भतीजे दिलचंद कुमार और प्रेम चंद कुमार को वेस्ट सेंट्रल रेलवे जबलपुर और साउथ ईस्टर्न रेलवे कोलकाता में नौकरी मिली, ऐसा क्यों। 9. लाल बाबू राय के बेटे लाल चंद कुमार को 2006 में नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे जयपुर में नौकरी मिली थी। ऐसा क्यों हुआ कि लाल बाबू राय ने मई 2015 में अपनी एक हजार 360 वर्ग फीट की जमीन आपकी पत्नी राबड़ी देवी के नाम मात्र 13 लाख रुपए में कर दी थी। 10. हृदयानंद चौधरी को आप कब से जानते हैं? 11. बृज नंदन राय ने अपनी 3 हजार 375 वर्ग फीट जमीन हृदयानंद चौधरी को क्यों दी थी। 12. हृदयानंद चौधरी ने ईस्ट सेंट्रल रेलवे हाजीपुर में नौकरी मिलने के बाद गिफ्ट डीड के जरिए इस जमीन को आपकी बेटी हेमा को ट्रांसफर क्यों किया था। राबड़ी देवी और तेज प्रताप से हुई थी पूछताछ इससे पहले मंगलवार को पूर्व सीएम राबड़ी देवी और तेज प्रताप यादव से करीब पूछताछ हुई थी। राबड़ी और तेजप्रताप दोनों से अलग-अलग कमरों में बैठाकर पूछताछ की गई।तेजस्वी यादव ने दिल्ली में न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी वाला बंगला कैसे लिया। 2. सगुना मोड़ वाले अपार्टमेंट की जमीन कैसे खरीदी गई। पैसे कहां से आए। निर्माण कब शुरू हुआ। 3. आपके नाम से जो जमीन है, वो कैसे अर्जित की गई है। 4. जिन लोगों से नौकरी के बदले जमीन ली गई उनको आप कैसे जानती हैं। 5. आप उन लोगों से पहली बार कब मिलीं। 6. उन लोगों को नौकरी देने के लिए आपने क्यों पैरवी की। इसके बाद एऊने राबड़ी देवी से पूछा- क्या आप लंच करेंगी। पूर्व उट ने इसका जवाब हां में दिया। एऊ के अफसरों ने कहा कि लंच कर लीजिए।

संक्षिप्त डायरी

भाषाई वास्तविकता पर चिंतन विषय पर व्याख्यान

कटिहार। जिले के समेली प्रखंड अंतर्गत चकला मौलानगर निवासी त्त शिक्षक नवीन कुमार मंडल और शिक्षिका रीता दास के पुत्र शुभम कुमार को पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले स्थित बेलूर मठ के रामकृष्ण मिशन विद्यामंदिर में व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया है। संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में भर्तृहरि के वाक्यपदीय के माध्यम से भाषाई वास्तविकता पर चिंतन विषय पर शुभम कुमार 21 मार्च 2025 को व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे। गौरतलब है कि शुभम कुमार भाषाई वास्तविकता के अध्ययन में गहन रुचि रखते हैं और इस क्षेत्र में एक प्रमुख शोधार्थी हैं। वे भाषा के माध्यम से वास्तविकता को समझने और उसकी व्याख्या करने का प्रयास करते हैं। उनके व्याख्यान में भाषा और वास्तविकता के जटिल संबंधों को विस्तार से समझाने की संभावना है, जिससे श्रोताओं को इस विषय पर एक नया दृष्टिकोण मिल सकेगा। इस व्याख्यान से भाषा विज्ञान के विद्यार्थियों को मिलेगा लाभ शुभम के इस व्याख्यान से भाषा विज्ञान के विद्यार्थियों, शोधार्थियों और शिक्षकों को विशेष लाभ मिलेगा। भाषाई वास्तविकता पर उनके विचार न केवल शैक्षणिक जगत में आमजन के दृष्टिकोण में नई सोच प्रेरित कर सकते हैं।

मनसाही के आबिद जामा मस्जिद में दावते इफ्तार, बड़ी संख्या में रोजेदार हुए शामिल

मनसाही। हाट स्थित आबिद जामा मस्जिद में दावते इफ्तार का आयोजन हुआ। बड़ी संख्या में रोजेदारों ने इसमें हिस्सा लिया। इस मौके पर आपसी मिल्लत और भाईचारे का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में मनसाही जिला पार्षद प्रतिनिधि खुर्शीद आजाद, थाना अध्यक्ष मुस्तफा अंसारी, मो. वसीम अकरम, पूर्व मुखिया सदाकश अली, साहेब नगर सरपंच प्रतिनिधि अफजल हुसैन, मस्जिद प्रबंध कमेटी के अध्यक्ष मोहम्मद इसराइल, डॉ. आलमगीर, डॉ. मुबारक, डॉ. अजमल हुसैन, अधिवक्ता मो. सुल्तान, मो. मजहर, शाह कमाल, मो. असलम, मो. अनारूल, मो. कमरूल, मो. नसीम, मो. शमशेर, अजीजुर रहमान और मो. कौसर समेत बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। जिला पार्षद खुर्शीद आजाद, डॉ. आलमगीर, डॉ. मुबारक, अधिवक्ता मो. सुल्तान और डॉ. अजमल ने आयोजन की तारीफ की। इंतजामिया कमेटी को मुबारकबाद दी। मेहमानों ने रमजान के पाक महीने में इस तरह के आयोजन को मिल्लत और भाईचारे की मिसाल बताया। इसे आगे भी जारी रखने पर जोर दिया। वहीं देश में अमन चैन की दुआ की जा रही है।

प्रिंसिपल ने स्कूल में 8 साल के बच्चे को पीटा

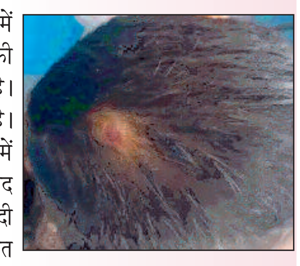

जमुई। में उत्क्रमित मध्य स्कूल में प्रिंसिपल ने तीसरी क्लास के छात्र की पिटाई का मामला सामने आया है। मारपीट में छात्र का सिर फट गया है। पीड़ित छात्र के पिता ने थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। इसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना सोनो थाना क्षेत्र स्थित सारेबाद का है।लाठी से हमले का आरोपमामला बीते मंगलवार, 18 मार्च का है। आठ साल के छात्र आशीष कुमार पर स्कूल के प्रिंसिपल सुधीर कुमार सिंह ने कथित रूप से लाठी से हमला कर दिया। इससे उसका सिर फट गया और पीठ पर भी गंभीर चोटें आईं हैं। घटना लंच ब्रेक के दौरान हुई। छात्र के पिता मुकेश कुमार पंडित ने बताया कि जब वे स्कूल में शिकायत करने पहुंचे, तो प्रधानाध्यापक ने उन्हें अपशब्द कहे और जान से मारने की धमकी दी।बच्चे की शिकायत पर मामला दर्ज घटना की सूचना मिलते ही सोनो थाना पुलिस ने बुधवार को स्कूल पहुंचकर जांच की। हेड क्वार्टर डीएसपी आफताब अहमद ने बताया, बच्चे के पिता की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस अग्रिम कार्रवाई कर रही है।प्रधानाध्यापक ने खुद को बताया निर्दोष वहीं, इस मामले में प्रधानाध्यापक सुधीर कुमार सिंह ने आरोपों को गलत बताया है। उन्होंने सफाई देते हुए कहा, हम 17 साल से बच्चों को पढ़ा रहे हैं। परीक्षा खत्म होने के बाद आशीष गलती से लड़कियों की लाइन में चला गया। मैंने उसे समझाने की कोशिश की, उसी दौरान हल्की चोट लग गई। मेरा कोई इरादा उसे चोट पहुंचाने का नहीं था।₹ उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि गांव के लोग इस मामले को राजनीतिक रंग दे रहे हैं।

शादी का झांसा देकर युवती से एक साल तक रेप

मुंगेर। के तारापुर में एक युवक ने शादी का झांसा देकर एक साल तक युवती का यौन शोषण किया। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि तारापुर थाना इलाके के आरोपी सूरज कुमार का अपने ही गांव की लड़की के साथ अफेयर चल रहा था। बताया गया कि 17 मार्च की रात वह पीड़िता से मिलने उसके घर गया था। इस दौरान परिजनों ने दोनों को आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ लिया। जिसके बाद दोनों से पूछताछ करने पर दोनों ने प्रेम संबंध की बात स्वीकार की। इसके बाद परिवार और ग्रामीणों ने उनकी शादी करवा दी। अगले दिन इस मामले की पंचायत हुई। सूरज ने पीड़िता को पत्नी के रूप में स्वीकार करने से इनकार कर दिया। जिसके बाद पीड़िता ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। हर बार शादी की बात को टाल रहा था पीड़िता ने बताया कि सूरज पिछले एक साल से शादी का वादा करता आ रहा था। हर बार अगले महीने शादी करने की बात कहकर टालता था। 17 मार्च को उसने फोन कर कहा कि वह घर आ रहा है और अगले दिन शादी कर लेगा।जबरन कराई शादीआरोपी का कहना है कि उसे जबरन घर ले जाकर शादी करवा दी गई। उसने कहा कि वह इस शादी को नहीं मानता क्योंकि यह उसकी मर्जी से नहीं हुई।आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार थानाध्यक्ष राजकुमार ने बताया कि पीड़िता का मेडिकल कराया गया है। उसे बयान के लिए न्यायालय भेजा गया है। आरोपी सूरज कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

पंजाब के 2 लाख लोगों को सुप्रीम राहत, लोगों ने डाला भांगड़ा

चंडीगढ़ : चंडीगढ़ के साथ सटे मोहाली के नयागांव और कांसल के लोगों को सुप्रीम कोर्ट से सुप्रीम राहत मिलने का रास्ता साफ हो गया है। पंजाब सरकार ने सुखना वाइल्डलाइफ सैंचुरी के तहत ईको सैंसटिव जोन (ई.एस.जेड.) का दायरा 3 किलोमीटर से घटाकर मात्र 100 मीटर तक सीमित कर दिया है। कांसल और नयागांव के 100 मीटर के दायरे के बाहर अब डिमोलिशन नहीं होगी। चंडीगढ़ प्रशासन ने सुप्रीम कोर्ट में सुखना वाइल्ड लाइफ सेंचुरी के तीन किलोमीटर के दायरे में निर्माण पर रोक और तोड़े जाने की अपील की थी। इसके जवाब में पंजाब सरकार के मंत्रियों की समिति की रिपोर्ट को कैबिनेट मंजूरी के बाद पंजाब के प्रशासनिक सचिव प्रियंक भारती की मार्फत एफिडेविट की शक्ल में सुप्रीम कोर्ट में दाखिल कर दी गई है। इस पर सुप्रीम कोर्ट जल्द अपना फैसला सुनाएगा। इस फैसले के बाद 2 लाख की आबादी को राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने 20 नवम्बर, 2024 को सुनवाई करते हुए पंजाब सरकार के वन मंत्री, लोकल बॉडी मंत्री, आवास और शहरी विकास मंत्री की तीन सदस्य समिति का गठन किया था। उन्हेंनयागांव, कांसल और करोरां के निवासियों से विचार-विमर्श और जनता दरबार लगाकर बात सुन रिपोर्ट तैयार करने को कहा था। समिति ने 81

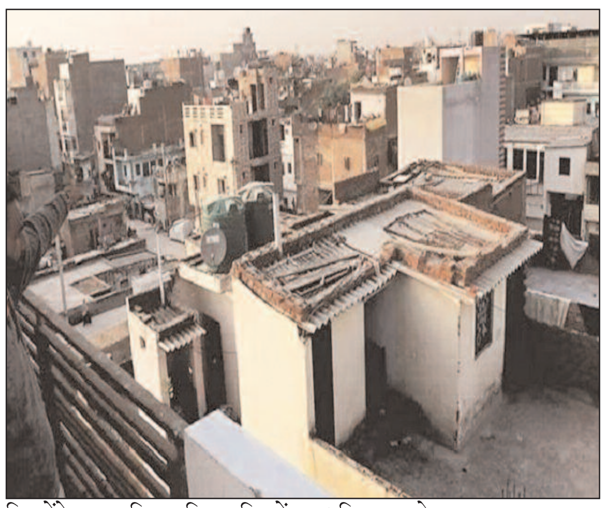

शिप्रजेंटेशन पर विचार किया, जिनमें सरकार और कोर्ट के आदेश भी थे। 4 दिसम्बर को जनता दरबार लगाकर लोगों के बयान दर्ज किए गए थे। इसके बाद मंत्रियों की समिति ने सुखना वाइल्ड लाइफ सेंचुरी में इको सेंसटिव जोन का दायरा काम करने की सिफारिश की थी। उक्त सिफारिश के बादरिपोर्टविधानसभा में लाइ गई, जहां 21 फरवरी को चर्चा के बाद पारित कर दिया गया। अब सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को सुनवाई के दौरान एफिडेविट के रूप में पंजाब सरकार ने समिति की रिपोर्ट दाखिल कर दी है। लोगों ने प्रकट की खुशी, नयागांव में ढोल की थाप पर लोगों डाला भांगड़ा

सुप्रीम कोर्ट के फैसले से नयागांव, कांसल और नाडा के हजारों परिवारों को बड़ी राहत मिली है। ईको सैंसटिव जोन का दायरा 100 मीटर से अधिक नहीं बढ़ाया जाएगा। नयागांव घर बचाओ मंच के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ भाजपा नेता विनीत जोशी ने ढोल की थाप पर भांगड़ा के साथ जीत का जश्न मनाया तथा इसे नयागांव, कांसल व नाडा के लोगों द्वारा चलाए गए आंदोलन की जीत बताया। भाजपा मोहाली जिला सचिव भूपिंदर भूपी, पार्षद सुरिंदर कौशिक बब्बल, पार्षद प्रमोद कुमार, प्रख्यात समाजसेवी अतुल अरोड़ा, मजदूर सेना के महासचिव मदन मंडल, ब्रह्माकुमारीज नयागांव के प्रधान ज्ञान चंद भंडारी, मिथलांचल छठ पूजा समिति के महासचिव कामेश्वर शाह, गौ सेवा प्रमुख नयागांव सुशील रोहिला ने खूब नृत्य किया।

कड़ी सुरक्षा के बीच किसान नेता डल्लेवाल जांलधर के पीआईएमएस से यहां किए शिफ्ट

जालंधर : हाल ही में हिरासत में लिए गए किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल को पुलिस द्वारा जालंधर लाया गया है।गत रात उन्हें जालंधर के पीआईएमएस अस्पताल लाया गया था। आज तड़के उन्हें भारी पुलिस फौर्स के साथ पीआईएमएस से भी रवाना कर दिया गया है। अब पुलिस उन्हें जालंधर कैंट की तरफ लेकर गई है।

जानकारी के अनुसार अब जगजीत सिंह डल्लेवाल को जालंधर कैंट स्थित पीडब्लूडी गैस्ट हाऊस में शिफ्ट किया गया है। जालंधर कैंट के गेट पर भी भारी पुलिस फोर्स तैनात है। यहां तक कि मीडिया को भी जालंधर कैंट के गेट पर ही रोक लिया गया। कैंट में दाखिल होने वाली सारी गाड़ियों को चैकिंग के बाद ही अंदर भेजा जा रहा है।

वाहन चालक दें ध्यान, अब पार्किंग में इनट्री पर नहीं देने पड़ेंगे पैसे

चंडीगढ़ : चंडीगढ़ नगर निगम ने शहर की 89 पेड पार्किंग की नीलामी के लिए कमर कस ली है। लगभग दो वर्ष से इन पार्किंगों को निगम ही चलाता आ रहा है। 25 मार्च को निगम सदन की बैठक में पेड पार्किंगों की नीलामी का प्रस्ताव लाया जा रहा है। मेयर हरप्रीत कौर बबला के अनुसार इस बार पार्किंग को पीपल फ्रैंडली बनाए जाने के लिए नियम व शर्तों में बहुत बदलाव किए गए हैं। अभी प्रस्ताव पूरी तरह तैयार नहीं हुआ है, लेकिन यह तय है कि पार्किंग में एंट्री की बजाए एग्जिट पर पैसे लिए जाएंगे। एंट्री पर पैसे लेने के समय वाहनों की लंबी लाइन लग जाती थी। इसके मद्देनजर अब एग्जिट पर पैसे लिए जाने का प्रस्ताव तय किया गया है। इसके अतिरिक्त सभी पार्किंग स्मार्ट होंगी और डिजिटल माध्यम से चार्ज लिए जाएंगे। सभी पार्किंग पर मशीनें आबंटित की जाएंगी, ताकि खुले पैसे या अन्य समस्या से लोगों को जूझना ना पड़े। उन्होंने उम्मीद जताई कि इन पार्किंगस से निगम को 10 से 15 करोड़ रुपए राजस्व आ सकता है। इसके अतिरिक्त निगम को जल्द फंड्स मिलने वाले हैं, जिससे रुके हुए काम शुरू करवा दिए जाएंगे।

हाउस में तय किए जाएंगे रेट

प्रस्तावित पेड पार्किंग में दोपहिया वाहनों को मुफ्त और चार पहिया वाहनों के रेट हाउस मीटिंग में बहस या चर्चा के बाद ही तय किए जाएंगे। बताया गया कि प्रस्ताव के अनुसार इस बार पूरे शहर की पार्किंग एक ही कंपनी को सौंपी जाएगी, जिस पर अधिकतर पार्षद आपत्ति जता रहे हैं। उनका कहना है कि पार्किंग को जोन में विभाजित किया जाना चाहिए और एक कंपनी के बजाय जोन के अनुसार ठेकेदार या कंपनी को सौंपा जाना चाहिए। निगम को नीलामी से अच्छी आय होने की उम्मीद

सीनियर डिप्टी मेयर जसबीर सिंह बंटी ने दलील दी कि इससे पहले भी एक ठेकेदार को पार्किंग की जगह दी गई थी, जो धोखाधड़ी करके ठेका बीच में ही छोड़कर भाग गया था। उन्होंने कहा कि यदि पार्किंग स्थल अलग-अलग कंपनियों या ठेकेदारों को दिया गया होता तो यदि कोई भाग भी जाता तो भी निगम को अन्य से राजस्व प्राप्त होता रहता। बंटी ने कहा कि निगम को पार्किंग नीलामी से अच्छी आय होने की उम्मीद है।

पंजाब में आंधी-बारिश के साथ बिगड़ सकता है मौसम! अलर्ट पर ये 7 जिले

पंजाब : पंजाब में पिछले कुछ दिनों में मौसम काफी बदल गया है और लोगों को गर्मी का एहसास होने लगा है। राज्य भर में औसत तापमान में आम से थोड़ा ज्यादा है। मौसम विभाग ने आज राज्य के 7 जिलों में मौसम बिगड़ने की भविष्यवाणी की है। यानी कि आज, जिला पठानकोट, फाजिल्का, मुक्तसर, फरीदकोट, बठिंडा, मोगा, फिरोजपुर में आंधी के साथ बारिश हो सकती है। हालांकि राज्य के अन्य जिलों में आज भी मौसम साफ रहने की संभावना है। कहा जा रहा है कि आने वाले दिनों में भी मौसम साफ रहेगा और तापमान में बढ़ौतरी दर्ज की जाएगी।

चंडीगढ़ में भी हलकी बारिश या ओले पड़ने की संभावना

उधर, चंडीगढ़ की बात करें तो । बुधवार से शुक्रवार के बीच हलके बादलों के साथ तेज हवाएं और बादलों की गर्जना के बीच हलकी बारिश या ओले पड़ने की संभावना है। शहर का तापमान अब 30 डिग्री से नीचे नहीं आ रहा है, अनुमान है कि आने वाले दिनों में भी बढ़ता ही जाएगा। मंगलवार को भी चंडीगढ़ एयरपोर्ट का तापमान 30 डिग्री रहा हालांकि शहर के अंदर सैक्टर 30 के मौसम विज्ञान केंद्र में पारा 29.3 रहा। पश्चिमी विक्षोभ का ताजा, लेकिन हल्का स्पैल बुधवार से फिर उत्तर भारत में सक्रिय हो रहा है। हालांकि ये स्पैल इतना मजबूत नहीं है कि चंडीगढ़ या आसपास के एरिया के मौसम में बड़ा बदलाव कर पाए।

जांलधर में युट्रयूबर के घर ग्रेनेड हमले की घटना को ऐसे दिया गया अंजाम

जालंधर : रायपुर-रसूलपुर गांव में यूट्यूबर नवदीप सिंह उर्फ डॉ. रोजर संधू के घर पर हुए हैंड ग्रेनेड हमले में जांच एंजेंसियों द्वारा हर एंगल से जांच जारी है। पुलिस का दावा है कि हाल ही में कपूरथला निवासी अमृतप्रीत सिंह और उसकी प्रेमिका खांबरा निवासी लक्ष्मी ने हैंड ग्रेनेड बरामद किया था, जबकि रेकी धीरज और उसके साथियों ने यह काम किया था। वहीं इस मामले की जांच में सामने आया है कि, हार्दिक कंबोज (उम्र 19 साल) निवासी गांव बिहटा जिला हरियाणा जोकि 12वीं का छात्र हैं। हार्दिक कंबोज 14 मार्च को शहर में आया था। वहीं हैंड ग्रेनेड की डिलीवरी एक सप्ताह पहले फगवाड़ा में हुई थी। ये सभी आरोपी 5 दिन की पुलिस रिमांड पर हैं। वहीं पूछताछ के दौरान आरोपी धीरज ने कबूल किया है कि सुक्ख उनके पड़ोस खांबडा.में रहता है। सुक्ख फूड डिलीवरी का काम करता है और धीरज व पांडे सिक्योरिटी गार्ड का काम करते थे। बताया जा रहा है कि, आरोपी सुक्खा ने उक्त आरोपियों से कहा था कि विदेश में बड़ा काम मिल रहा है, जिससे मोटी कमाई होगी। इस वारदात को अंजाम देने के लिए सुक्खा को एडवांस में 15 हजार रुपए भी मिले

थे। सुक्खा व धीरज दोनों पहले फगवाड़ा गए थे, जह पर उन्हें एक पगड़ीधारी व्यक्ति ने एक बैग दिया। इसके बाद वह बैग को लेकर खांबड़ा आ गए, जिसमें हैंड ग्रेनेड व हथियार थे। धीरज ने कहा कि पहले तो वह इसे देखकर डर गया फिर सुक्खा ने उसे कहा कि डरने का बात नहीं हैं। जिस व्यक्ति ने इस फैंकना है वह इसे जल्द ही लेकर चला जाएगा। सुक्खा ने कहा था कि विदेश से बॉस का फोन पर ही वह उस व्यक्ति का नाम बताएंगे। धीरज ने आगे बताया कि इसके बाद सुक्खा और वह पहली बार अर्बन एस्टेट-1 स्थित एक होटल में हार्दिक से मिले थे, जहां पर वह इसे बैग देकर वापस आ गए। इसके बादरात को इस वारदात को अंजाम दिया गया। वहीं पांडे ने बताया कि वह इस वारदात के बारे में जानता था लेकिन पैसो के लालच में इस काम में शामिल हो गया। फिलहाल पुलिस द्वारा इस मामले में आगे की जांच जारी है। वहीं पुलिस का कहना है कि आरोपी सुक्खा के ठीक होने के बाद उससे पूछताछ की जाएगी कि आखिर विदेश में उसका बॉस कौन है, किसने उसे वारदात को अंजाम देने के लिए कहा था। आपको बता दें कि रविवार सुबह करीब साढ़े 3 बजे गांव रायपुर-रसूलपुर निवासी नवदीप सिंह संधू उर्फ रोजर संधू के घर पर पाकिस्तानी डॉन शहजाद भट्टी ने हमला करवाया था और उसके बाद सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी जारी किया था जिसमें कहा गया था कि रोजर संधू ने इस्लाम को लेकर गलत टिप्पणी की थी, जिसके चलते उसने यह हमला करवाया। उसने दावा किया कि खालिस्तानी आतंकवादी हैप्पी पाशिया और बाबा सिद्दीकी हत्याकांड के मास्टरमाइंड जीशान अख्तर ने इस घटना में उसका साथ दिया। डॉन शहजाद भट्टी ने धमकी दी थी कि अगर यूट्यूबर नहीं माना तो वह दूसरा हमला करेगा।

पंजाब के अध्यापकों के लिए सीएम मान का बड़ा ऐलान

लुधियाना : युवाओं को सरकारी नौकरियां देने में एक नया मील का पत्थर स्थापित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने सत्ता संभालने के मात्र 36 महीनों के भीतर राज्य के युवाओं को 52,606 नौकरियां प्रदान कर इतिहास रच दिया है। यहां गुरु नानक देव भवन में 951 ई.टी.टी. शिक्षकों को नियुक्ति पत्र सौंपने के लिए आयोजित समारोह में संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कदम पंजाब के सामाजिक और आर्थिक विकास को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में सहायक होगा। मुख्यमंत्री ने नवनियुक्त शिक्षकों से शिक्षा के स्तर को और ऊंचा उठाकर राज्य में शिक्षा क्रांति के दूत के रूप में कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि आधुनिक शिक्षण विधियों से सुसज्जित ये शिक्षक विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करेंगे जिससे वे अपने जीवन में नई ऊंचाइयां हासिल कर सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे राज्य की समग्र शिक्षा प्रणाली को सशक्त बनाने में मदद मिलेगी, क्योंकि ये शिक्षक शिक्षा क्षेत्र में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। शिक्षकों की सेवाओं का उपयोग केवल शिक्षण कार्यों के लिए

ही किया जाए मुख्यमंत्री ने कहा कि वह स्वयं एक शिक्षक के बेटे हैं और भली-भांति जानते हैं कि शिक्षक राष्ट्र निमार्ता होते हैं जो विद्यार्थियों को अधिकारी, इंजीनियर, डॉक्टर और अन्य नेता बनने के लिए तैयार करते हैं। सरकारी स्कूलों के शिक्षक अत्यधिक योग्य और सक्षम हैं, लेकिन पिछली सरकारों ने उन्हें कुछ गैर-शैक्षणिक कार्यों में भी लगा दिया था। मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि उनकी सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि शिक्षकों की सेवाओं का उपयोग केवल शिक्षण कार्यों के लिए ही किया जाए। पहले राज्य की जमीनी हकीकत से अंजान कॉन्वैंट स्कूलों में पढ़े नेताओं ने इस महत्वपूर्ण क्षेत्र की अनदेखी कर दी थी जिससे पंजाब विकास की दौड़ में पीछे रह गया था। मुख्यमंत्री ने नवनियुक्त शिक्षकों से कहा कि वे विद्यार्थियों को उनकी रुचि के अनुसार शिक्षा ग्रहण करने के लिए प्रेरित करें ताकि वे अपने लिए उपयुक्त करियर का चयन कर सकें। मुख्यमंत्री ने बताया कि पंजाब के इतिहास में पहली बार किसी सरकार ने मात्र 36 महीनों में 52,000 से अधिक नौकरियां दी हैं। अब तक किसी एक की भी नियुक्ति को अदालत में चुनौती नहीं दी गई है। यह पंजाब सरकार के लिए गर्व की बात है कि इन युवाओं को पूरी योग्यता के आधार पर सरकारी नौकरियां दी गई हैं। राज्य सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि पंजाब का कोई भी व्यक्ति मजबूरी में विदेश न जाए। राज्य सरकार के अथक प्रयासों से अब विदेश जाने की प्रवृत्ति में कमी आई है और युवा विदेश से लौटकर पंजाब में सेवा करने की रुचि दिखा रहे हैं।

खबर एक्सप्रेस

लुधियाना नगर निगम में भारी हंगामे के बीच बजट पास, कांग्रेसियों ने रोका मेयर का रास्ता

लुधियाना : लुधियाना नगर निगम के जरनल हाऊस की पहली बैठक काफी हंगामापूर्ण रही। इसी बीच मेयर द्वारा 1 हजार 91 करोड़ का बजट पेश किया गया। हालांकि विपक्ष के कौंसलर जीरो ओवर देने की मांग कर रहे थे लेकिन मेयर और आप विधायकों ने साफ कहा कि इस बैठक में सिर्फ बजट पर ही बात होगी। हर पार्टी के एक-एक मैंबर को बोलने का मौका दिया जाएगा लेकिन हंगामा ज्यादा बढ़ता देख मेयर द्वारा चर्चा पूरी होने से पहले ही बजट पास कर दिया गया। उधर, बिना चर्चा के बजट पास होने को लेकर कांग्रेस नेता विरोध पर उतर आए है। उनका कहना है कि बिना चर्चा के मेयर द्वारा बजट पास किया गया, जो कि सरासर गलत है। वहीं कांग्रेस नेताओं द्वारा मेयर का निगम से बाहर जाने का रास्ता रोका गया है।

नहीं काटने पड़ेंगे पटवारी और तहसीलदारों के चक्कर

पंजाब : पंजाब के लोगों के लिए सरकार द्वारा लगातार बड़े कदम उठाए जा रहे हैं। जानकारी के अब लोगों को इंतकाल के लिए पटवारी और तहसीलदारों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। अब सेवा और फर्द केंद्रों पर उन्हें ये सुविधा मिलेगी। इसके साथ ही वह घर बैठे भी ऑनलाईन अप्लाई कर सकेंगे। इससे लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। जानकारी के अनुसार इंतकाल अपडेट करवाने के साथ-साथ अन्य सुविधाएं पंजाब सरकार लोगों को ऑनलाइन देने जा रहा है। इसके बाद अब लोग सेवा और फर्द केंद्रों के साथ-साथ घर बैठ कर अपने फोन से ये सुविधाएं ले पाएंगे। इस संबंध में कर्मचारियों को भी ट्रेनिंग करवाई जा चुकी है। इसे लेकर अप्रैल में घोषणा हो सकती है। बता दें कि अभी लोगों को इंतकाल अपडेट करवाने के लिए पटवारी और तहसीलदारों के चक्कर काटने पड़ते हैं और परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वहीं सरकार के इस कदम से रिश्वतखोरी के मामले भी कम होंगे। इस सुविधा के शुरू होने के बाद लोग अपनी सुविधा के अनुसार घर बैठे या सेवा और फर्द केंद्रों पर जाकर इंतकाल अपडेट करने के लिए अप्लाई कर सकेंगे इसके था ही उन्हें ऑनलाइन पेमेंट का भी ऑप्शन मिलेगा।

लुधियाना के कोर्ट कॉम्प्लेक्स की 7वीं मंजिल से युवती ने लगाई छलांग, मची भगदड़

लुधियाना : शहर में एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। भारत चौक में स्थित कोर्ट कॉम्प्लेक्स की सातवीं मंजिल से एक युवती ने छलांग लगा दी, जिससे वहां पर हड़कंप मच गया। इस दौरान महिला गंभीर घायल हो गई, जिसे तुरन्त नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया है। अस्पताल पहुंचते ही डाक्टरों ने युवती को मृत घोषित कर दिया। वहीं घटना की सूचना मिलते ही थाना डिविजन नंबर 5 की पुलिस और एसीपी अकृषि जैन मौके पर पहुंच गए। युवती की उम्र करीब 20-22 साल बताई जा रही है। आखिर युवती ने छलांग क्यों लगाई ये अभी सामने नहीं आया है। फिलहाल पुलिस द्वारा इस मामले में जांच की जा रही है।

पूरी तरह से बंद है पंजाब का ये शहर, चप्पे-चप्पे पर भारी पुलिस फोर्स तैनात

भोगपुर : शहर में विभिन्न संगठनों द्वारा बस स्टैंड भोगपुर में धरना प्रदर्शन शुरू हो गया है। भोगपुर स्थित सहकारी शुगर मिल में लगाए जा रहे बायो सी.एन.जी. प्लांट का विरोध लगातार जारी है। कुछ दिन पहले संगठनों द्वारा पंजाब सरकार और प्रशासन को 19 तारीख तक इस प्लांट में चल रहे सारे काम को बंद कराने की चेतावनी दी गई थी, लेकिन उसके बाद डिप्टी कमिश्नर जालंधर और एसएसपी जलंधर की टोली द्वारा कल विभिन्न संगठनों के साथ जालंधर में एक मीटिंग की गई थी। मीटिंग में संगठनों द्वारा मांग पत्र दिया गया था, जिसके बाद संगठनों ने भोगपुर बंद का ऐलान किया। आज सुबह भोगपुर के बाजार पूरी तरह से बंद कर दिए गए हैं और सभी दुकानदार और संगठनों के नेता तथा हलका आदमपुर से कांग्रेसी विधायक सुखविंदर कोटली द्वारा बस स्टैंड भोगपुर में धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया गया है। वहीं मौके पर भारी पुलिस बल तैनात है।

जल्द खुलेगा शंभू-खनौरी बार्डर! किसानों पर एक्शन के बाद पढ़ें अब तक का पूरा अपडेट

पंजाब : शंभू और खनौरी बॉर्डर पर डटे किसानों पर एक्शन के बाद अब एक और बड़ी खबर सामने आई है। जानकारी के अनुसार हरियाणा पुलिस ने सुबह से ही बैरिकेडिंग हटाने का काम शुरू कर दिया। इसके बाद शंभू और खनौरी बॉर्डर पर फिर से वाहनों की आवाजाही शुरू की जाएगी। पुलिस बुलडोजर से बॉर्डरों पर किसानों द्वारा बनाए शेड हटाए जा रहे हैं।

आपको बता दें कि गत दिन पुलिस ने कार्रवाई करते हुए शंभू और खनौरी बॉर्डर को करीब 13 महीने बाद खाली करवाया। केंद्र द्वारा किसानों को बैठक के लिए बुलाया गया था कल चंडीगढ़ बुलाया गया था। इसके बाद जगजीत सिंह डल्लेवाल व सरवण पंधेर सहित भारी संख्या में किसान नेताओं को हिरासत में ले लिया गया था। पुलिस की कार्रवाई के बाद किसान नेता भूख हड़ताल पर बैठ गए हैं।

वहीं बता दें कि हिरासत में लिए गए किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल को पुलिस द्वारा जालंधर लाया गया। गत रात उन्हें जालंधर के ढक्टर अस्पताल लाया गया था जहां से आज सुबह पुलिस उन्हें जालंधर कैंट की तरफ लेकर गई है। खबर मिली है कि अब जगजीत सिंह डल्लेवाल को जालंधर कैंट स्थित ढहऊगैस्ट हाऊस में शिफ्ट किया गया है। जालंधर कैंट के गेट पर भी भारी पुलिस फोर्स तैनात है।

हाई ब्लड शुगर होने पर शरीर के इन अंगों पर पड़ सकता है बुरा असर

डायबिटीज के मामलों में तेजी देखी जा रही है। भारत में डायबिटीज के आंकड़े चिंताजनक है। जी हां, करीब 77 करोड़ लोग इस बीमारी की चपेट में है। वहीं अनुमान जताया जा रहा है कि साल 2045 तक यह संख्या बढ़कर 134करोड़ तक पहुंच जाएगी। अचानक से शरीर में ब्लड के रक्तस्त्राव के बढ़ जाने को हाइपरग्लेसेमिया कहा जाता है। इससे शरीर के कई अंगों को क्षति पहुंचती है।

आंखों की समस्या

डायबिटीज होने के बाद एक अच्छी लाइफस्टाइल से ही अच्छे से लॉन्ग लाइफ जी सकते हैं। ब्लड शुगर असामान्य रूप से बढ़ने से आंखों पर प्रभाव पड़ता है। इससे धुंधलापन होना, मोतियाबिंद होना, ग्लूकोमा जैसी समस्या घेरने लगती है। इसके लिए पौष्टिक आहार बहुत जरूरी है।

घाव के ठीक होने में वक्त लगना

दरअसल, हाइपरग्लेसेमिया की वजह से घाव ठीक होने में वक्त लगता है। कई बार महीने भी लग जाते हैं। इतना ही नहीं घाव अगर ठीक नहीं होता है तो कई बार इंफेक्शन नहीं फैले इसलिए अंग को ही निकालना पड़ता है। जिसका कारण होता है रोग प्रतिरोधक क्षमता का कम होना।

संक्रमण का खतरा

रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने के कारण संक्रमण का खतरा अधिक होता है। डायबिटीज मरीज को यूरिन के संक्रमण का खतरा बहुत अधिक होता है। इसका प्रभाव किडनी पर भी पड़ता है।

पैरों की समस्या

मधुमेह होने के कारण पैर अधिक दर्द करते हैं। कई बार असहनीय दर्द रहता है। पैरों में घाव हो जाना, उंगलियों का कालापन होना।
शुगर कंट्रोल नहीं होने पर पूरे पैर में भी समस्या हो सकती है। इसलिए बेहतर है मीठा जरा भी नहीं खाएं और शुगर फ्री चीजों का ही सेवन करें।

डायबिटीज कंट्रोल करने के लिए डाइट में शामिल करें अनार के फूल

खून बढ़ाने से लेकर ग्लोइंग स्किन पाने के लिए अनार खाने के फायदों के बारे में आपने सुना ही होगा। लेकिन क्या आपने अनार के फूल के फायदों के बारे में सुना है। प्राकृति ने मनुष्य को बहुत कुछ दिया है, जो स्वस्थ रहने और किसी बीमारी से लड़ने के लिए काफी है। ऐसा ही एक प्राकृति का तोहफा है अनार का फूल। आइए जानते हैं अनार के फूल के फायदों के बारे में।

- शुगर की परेशानी इन दिनों आम हो गई है। दुनियाभर में कई लोग इस जानलेवा बीमारी से जूझ रहे हैं। हालांकि इसे कंट्रोल करने के कई तरीके हैं, लेकिन बावजूद इसके इसे ठीक नहीं किया जा सकता। ऐसे में एक स्वस्थ जीवन शैली पर स्विच करना महत्तवपूर्ण है। शुगर के मरीजों को कम चीनी और फाईड चीजों को अवॉइड करना चाहिए। ऐसे में डाइट में अनार के फूल शामिल करना अच्छा हो सकता है। हेल्थ रिपोर्ट्स के मुताबिक अनार के फूल में फोटोकेमिकल होता है, जो शुगर के मरीजों के लिए अच्छा होता है।
- बेदाग स्किन और स्वस्थ चमक इन दिनों खो सी गई है। पर्यावरण प्रदूषण और गलती जीवनशैली के चलते ऐसी त्वचा पाना बेहद ही मुश्किल हो गया है। वहीं बीजी रूटीन में नियमित त्वचा की देखभाल करना भी मुश्किल होता है। ऐसे में आप अनार के फूल पर विश्वास कर सकते हैं, इसकी मदद से झुर्रियों और समय से पहले बूढ़ा होने से बचा जा सकता है।
- कोरोना काल में हर किसी ने एक चीज अच्छे से सिखी है और वो है स्वस्थ्य रहना। लोग इन दिनों स्वस्थ और इम्यूनिटी को बढ़ावा देने वाली हर एक चीज का पूर्ण रूप से ख्याल रख रहे हैं। ऐसे में अनार के फूल भी स्वस्थ रहने में आपकी मदद कर सकते हैं। इसमें भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं। जो बैक्टीरिया और वायरस से लड़ने में मदद करते हैं।
- अनार के फूल को डाइट में शामिल करने से अपने कार्डियोवस्कुलर हेल्थ का ख्याल रख सकते हैं। शरीर में सबसे महत्तवपूर्ण अंगों में से एक होता है हृदय, जो पूरे शरीर में ब्लड पंप करता है। इससे न केवल ऑक्सीजन बल्कि शरीर के विभिन्न कार्यों को करने के लिए पोष्क तत्व भी पहुंचाता है। अगर दिल की सेहत का ध्यान न रखा जाए तो आप आलसी, सुस्त और लो एनर्जी महसूस करेंगे।
- अनार का फूल में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट आपके इम्यून सिस्टम को बूस्ट करने के साथ शरीर में जमा फैट को खत्म कर आपको हेल्दी रखता है। हालांकि अच्छे परिणाम के लिए आपको कसरत करनी होगी।

कैसे करें अनार के फूल का इस्तेमाल

आप अनार के फूलों के सपलीमेंट ले सकते हैं, या फिर अगर आपको अनार के फूल मिल जाते हैं तो आप इसकी चाय बनाकर पी सकते हैं। हालांकि किसी भी तरह की जलन महसूस होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

आहार में शामिल करें ये नॉन डेयरी कैल्शियम रिच फूड नहीं होगी कैल्शियम की कमी

शरीर में कैल्शियम की कमी को पूरा करने के लिए दूध और दूध से बने उत्पादों का सेवन बहुत जरूरी होता है। लेकिन यदि आपको दूध पीना पसंद नहीं है या आपको दूध से एलर्जी है तब आप क्या करेंगी? नहीं आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। प्रकृति ने हमें ऐसे बहुत से खाद्य पदार्थ दिए हैं, जिनमें उच्च मात्रा में कैल्शियम होता है। इसलिए आज बात करते हैं उन फूड्स की जो दूध के बिना भी आपके शरीर में कैल्शियम की कमी नहीं होने देंगे।

क्यों जरूरी है कैल्शियम

हमारे शरीर में हड्डियों के विकास के लिए कैल्शियम बेहद आवश्यक है। यह हड्डियों के साथ ही मांसपेशियों, कोशिकाओं और हृदय व नसों के सुचारू रूप से काम करने के लिए भी बहुत जरूरी है। हमारे शरीर में कैल्शियम की मात्रा सबसे अधिक पायी जाती है। इनमें से लगभग 98% हिस्सा हमारे दांतो और हमारे शरीर की हड्डियों में प्रयोग होता है। जबकि इसका 1% रक्त और मांसपेशियों में प्रयोग होता है। इसलिए कैल्शियम सभी के लिए आवश्यक है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं को अधिक कैल्शियम की जरूरत होती है। इसी वजह से कैल्शियम की आपूर्ति के लिए दूध और दूध से बने पदार्थों का सेवन किया जाता है। मगर यदि आपको दूध से एलर्जी है या आपको दूध पीना पसंद नहीं है, तो आपको नॉन डेयरी प्रोडक्ट से यह जरूरत पूरी करनी होगी।

हरी सब्जियां

गहरे रंग वाली सब्जियां जैसे बथुआ, पालक, चौलाई, मेथी आदि में आयरन और फोलेट के साथ-साथ कैल्शियम की भी अच्छी मात्रा होती है। आप इन्हें अपनी डाइट में शामिल कर कैल्शियम की प्राप्ति कर सकती हैं।

बादाम और अंजीर

बादाम को पावर बैंक कहा जाता है, क्योंकि इसमें सभी आवश्यक आयरन और विटामिन होते हैं। यह कैल्शियम में भी काफी समृद्ध होता है। इसी के साथ-साथ अंजीर में भी आयरन और कैल्शियम की समृद्ध मात्रा होती है। नाश्ते, लंच या हल्की स्नैकिंग के रूप में आप बादाम और अंजीर का एक साथ सेवन कर सकती हैं।

डाइट में शामिल करें सोया

यदि आप अपनी डाइट में सोया या उससे बने फूड्स जैसे टोफू का प्रयोग करती हैं तो आपको लगभग 220 मिलीग्राम से 250 मिलीग्राम कैल्शियम की आपूर्ति होती है। जो आपकी दैनिक जरूरत के बराबर है।

भुने हुए तिल

यदि आप कैल्शियम रिच नॉन डेरी प्रोडक्ट की तलाश में हैं, तो भुने हुए तिल आपके लिए सबसे अच्छा विकल्प है। एक्सपर्ट के मुताबिक लगभग 25 ग्राम तिल आपको 270 मिलीग्राम कैल्शियम, दैनिक जरूरत के बराबर आपूर्ति करता है।

मछली भी है कैल्शियम रिच

सार्डिन या साल्मन यह दो बेहतरीन मछलियां हैं। जिनसे दैनिक जरूरत की कैल्शियम की आपूर्ति होती है। यह दोनों ही कैल्शियम, ओमेगा 3 फैटी एसिड और प्रोटीन के बेहतरीन स्त्रोत हैं। आपको इनको बस जरूरत के मुताबिक ही खाना है। यानी कि हफ्ते में लगभग दो टुकड़े।

साबुत अनाज एवं दालें

आप अपनी डाइट में ऐसे कुछ अनाज या दालों का प्रयोग कर सकती हैं, जो कैल्शियम का बेहतरीन स्त्रोत हैं। जैसे कि मोठ, राजमा, कुलथी, बाजरा, चना, सोयाबीन, रागी आदि।

दूध, दही, पनीर के सेवन से कम होता है डायबिटीज और हाई बीपी का खतरा

वैज्ञानिकों के अनुसार दही, दूध या पनीर का रोजाना सेवन डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर का खतरा कम करता है। हाल ही में एक शोध ने डेयरी रिच डाइट (यानी दही, दूध या पनीर युक्त खाद्य पदार्थ) को रक्त शर्करा के स्तर, ब्लड प्रेशर में सुधार और हृदय रोग संबंधी जोखिमों को कम करने से जोड़ा गया। शोध के मुताबिक, रोजाना इन डेयरी उत्पादों का दो बार सेवन इन बीमारियों से राहत दिलाने में फायदा करता है।

इस अध्ययन को डायबिटीज रिसर्च जर्नल में प्रकाशित किया गया। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य पर डेयरी उत्पादों के प्रभाव का विश्लेषण करना था। उन्होंने भारत सहित दुनियाभर के 21 देशों के 35 से 70 वर्ष के लोगों में डेयरी रिच डाइट के प्रभाव का गहराई से अध्ययन किया। इस शो में डेयरी उत्पादों जैसे दूध, दही, दही से बने पेय, पनीर से बनी डिशेज शामिल थीं। इन्हें फुल या लो फैट के रूप में बांटा गया था। बटर और क्रीम का अलग से मूल्यांकन किया गया था, क्योंकि वे आमतौर पर उन देशों में नहीं खाए जाते थे जो अध्ययन का हिस्सा थे।
मेटाबॉलिक सिंड्रोम के पांच घटकों पर डेयरी उत्पादों के प्रभाव का अध्ययन किया गया था। यह अध्ययन लगभग 1,13,000 लोगों में किया गया। मेटाबॉलिक सिंड्रोम एक तरह से समस्याओं का झुंड होता है। मुख्य रूप से इसमें ब्लड प्रेशर बढ़ना, ब्लड शुगर बढ़ जाना, कमर के आसपास चर्बी बढ़ जाना और कोलेस्ट्रॉल व ट्राइग्लिसराइड का स्तर असामान्य हो जाना जैसी समस्याएं शामिल होती हैं। मेटाबॉलिक सिंड्रोम में ये समस्याएं एक साथ होती हैं जिससे स्ट्रोक, डायबिटीज व हृदय संबंधी बीमारियां होने का जोखिम बढ़ जाता है। शोधकर्ताओं ने हाई ब्लड प्रेशर, बढ़ी हुई कमर, गुड कोलेस्ट्रॉल का निम्न स्तर, हाई ब्लड फैट्स और बढ़े हुए फास्टिंग ब्लड ग्लूकोज की 12 महीनों की स्थिति को ट्रैक किया। अध्ययन से पहले लगभग 46,667 लोगों को मेटाबॉलिक सिंड्रोम था, यानी उनमें पांच में से कम से कम तीन स्थितियां थीं। शोधकर्ताओं ने पाया कि फुल फैट वाले डेयरी का सेवन करने से मेटाबॉलिक सिंड्रोम का जोखिम कम था। इससे पता चलता है कि डेयरी प्रोडक्ट शरीर की कार्यप्रणाली में कैसे सुधार करते हैं। शोध में कहा गया है कि यदि इन निष्कर्षों के आधार पर बड़े और दीर्घकालिक परीक्षणों में पुष्टि की जाती है, तो बढ़ती डेयरी खपत मेटाबॉलिक सिंड्रोम, डायबिटीज और हृदय रोग के मामलों को कम करने के लिए बड़े काम की हो सकती है।
डेयरी उत्पादों में स्वास्थ्य लाभ में हड्डियों, दांतों और मांसपेशियों की मजबूती, पाचन में सुधार, वजन घटाना आदि शामिल हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक डेयरी उत्पाद प्रोटीन और कैल्शियम के बड़े स्रोत हैं। इसके अलावा यह उत्पाद विटामिन और मिनरल्स के भी बड़े संयोजक होते हैं। डेयरी उत्पाद मुख्य रूप से पशुओं के दूध से निर्मित खाद्य या पेय पदार्थ होते हैं। मुख्य रूप से जिन पशुओं के दूध का प्रयोग इन उत्पादों को बनाने के लिए किया जाता है उनमें गाय, भैंस, बकरी, भेड, याक और ऊंट शामिल हैं।

आयुर्वेद ने भी माना खाली पेट इन चीजों का सेवन करने से घटता है मोटापा

वजन घटाने के लिए लोग न जानें कितनी प्रकार की डायट फॉलो करते हैं। लेकिन अपने आपको भूखा रखकर लंबे समय तक बिना सोचे-समझे किसी भी प्रकार की डायट का पालन करना मुश्किल हो जाता है। वजन घटाना कोई आसान काम नहीं है। शरीर की एक्स्ट्रा चर्बी को निकालने के लिए नियमित व्यायाम के साथ कैलोरीज भी बर्न करनी पड़ती हैं। इसके लिए आयुर्वेद के पास ऐसे कई तरीके हैं, जिससे शरीर की गंदगी बाहर निकलेगी और आपको वजन कम करने में आसानी होगी। ये तरीके बेहद आसान हैं, लेकिन आपको इन्हें अपनी लाइफस्टाइल का हिस्सा बनाना होगा। आइए जानते हैं क्या हैं वो तरीके जिसे मोटापा घटाने के लिए आयुर्वेद में अहम माना गया है.

गर्म पानी के साथ घी और नींबू

200 मिलीलीटर पानी के साथ थोड़ा सा नींबू या घी का सेवन करने से पेरिस्टलसिस में सुधार होता है, जो कि वेस्ट और खाने की गति को नीचे की ओर ढकेलता है। यदि आपका शरीर वात या पित्त प्रकार का है, तो आप इससे आपका पाचन तंत्र चिकना होगा जिससे कब्ज की समस्या दूर होगी।

डायजेस्टिव चाय

आजकल, बाजार में आयुर्वेदिक चाय की ढेर सारी वैराइटीज उपलब्ध हैं। लेकिन अच्छा होगा कि आप घर पर अपनी चाय खुद ही बना लें। इसके लिए 1 चम्मच जीरा, 1 चम्मच सौंफ, 1 चम्मच धनिया के बीज, 1 इलायची और थोड़ी सी अजवाइन को लेकर 500 मिलीलीटर पानी में तब तक उबालें, जब तक पानी की मात्रा आधी न हो जाए। इस चाय को खाली पेट पीने से अपच, ब्लोटिंग और वजन कम करने में मदद मिलेगी।
अपने मेटाबोलिज्म को तेज बनाने के लिए आप दालचीनी, इलायची, लौंग, कद्दूकस की हुई अदरक, काली मिर्च, हल्दी और स्टार ऐनीज को 500 मिली पानी में उबालें। यह पानी आधा हो जाए तब इसमें आधा नींबू और कोकोनट शुगर मिलाएं। चाय शरीर की गर्मी बढ़ाकर चयापचय में सुधार करके वजन कम करने में मदद करेगी।

कच्चे फल

सुबह खाली पेट हर्बल चाय पीने के बाद, कच्चे फलों का सेवन करें जो प्रकृति में थोड़े से कसैले हो सकते हैं। ग्रीन और रेड एपल, क्रैनबेरी, ब्लूबेरी, चेरी, स्ट्रॉबेरी, ब्लैकबेरी, अनानास, आंवला और अनार जैसे फलों को ही चुनें। यह फल शरीर में वॉटर रिटेंशन को कम करते हैं और आपकी त्वचा में कोलेजन को बढ़ाते हैं, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है।

सिलेरी जूस

तनाव से बचने के लिए आयुर्वेद कच्चे फल और पकी या उबली हुई सब्जियां खाने की सलाह देता है। ऐसी स्मूदी लेने से बचें जिसमें फल, सब्जियां, दूध और दही का मिश्रण शामिल हो। यह शरीर में विषाक्त पदार्थों के संचय का कारण बन सकता है। बल्कि पेट की ब्लोटिंग और अतिरिक्त चर्बी को कम करने के लिए एक चुटकी सेंधा नमक और नारियल तेल के साथ सिलेरी का जूस लें।

वजन घटाने के बुनियादी नियम

- जब आपको भूख लगे तब ही खाएं।
- सूर्यास्त के बाद न खाएं।
- इंटरमिटेंट फास्टिंग करें जिसमें 16 घंटे के तक कुछ भी न खाएं। इससे आपकी ऊर्जा तो बढ़ती है साथ में दिमाग पर कंट्रोल रहता है।
- कच्चे फल खाने के बाद पका हुआ भोजन करें।
- आपका पेट केवल आपकी मुट्ठी के आकार का है। अपनी भूख से 80 प्रतिशत भोजन कम खाएं, ताकि खाना पचाने वाले रस अपना काम आसानी से कर सकें।

हेल्दी डाइट के लिए खाइए ब्राउन राइस

जो लोग हेल्दी डाइट और व वजन कम करने में दिलचस्पी रखते हैं और चावल से परहेज करते हैं, उनके लिए ब्राउन राइस एक बेहतरीन विकल्प है। कैलोरी कम होने के साथ-साथ इसके और भी कुछ फायदे हैं। जानिए इसके 5 फायदे.

कोलेस्ट्रॉल

ब्राउन राइस खाने का सबसे बड़ा फायदा यही है कि यह कोलेस्ट्रॉल को कम करता है और अनचाहे फैट को शरीर के आंतरिक भागों में जमने से रोकता है।

डाइबिटीज

सामान्यत: चावल में शर्करा की मात्रा अधिक होती है, जिसके कारण डाइबिटीज के रोगी इससे दूरी बनाए रखते हैं। लेकिन ब्राउन राइस के सेवन से रक्त में शर्करा का स्तर नहीं बढ़ता। इसलिए यह आपके लिए बेहतर विकल्प है।

हृदय रोग

हार्टअटैक या हृदय के अन्य रोग, ज्यादातर हृदय की धमनियों में कोलेस्ट्रॉल के जमाव के कारण होते हैं। ऐसे में ब्राउन राइस का सेवन इससे बचाकर आपके हृदय की भी रक्षा करता है।

हड्डियां

मैग्नीशियम व कैल्शयिम से भरपूर होने के कारण ब्राउन राइस, हड्डियों को मजबूत करने के लिए बेहद फायदेमंद है। सफेछ चावल की अपेक्षा यह सेहत के कई फायदे देता है।

वजन कम

वजन कम करना चाहते हैं, और चावल से दूर नहीं रह सकते, तो सफेद चावल की जगह ब्राउन राइस को भोजन में शामिल करें। कुछ ही समय में आप वजन में कमी महसूस करेंगे।

जरूरी नहीं महंगी बादाम खाना, सस्ती मूंगफली भी है प्रोटीन का खजाना

मूंगफली का सेवन सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। बल्कि इसे बादाम का पर्याय माना जाता है। जितने पोषक तत्व बादाम में मौजूद होते हैं वह सभी मूंगफली में आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं। लेकिन बादाम महंगा होता है और मूंगफली सस्ती होती है लेकिन आप बादाम की जगह मूंगफली भी खा सकते हैं। एक लीटर दूध के बजाए 100 ग्राम कच्ची मूंगफली में अधिक प्रोटीन होता है। मूंगफली के साथ ही मूंगफली के तेल के कई फायदे होते हैं। यह कीटाणुओं को खत्म करने में मददगार होता है। जानते हैं मूंगफली खाने के अचूक फायदों के बारे में -

हड्डियों को करें मजबूत

मूंगफली के सेवन से हड्डियां मजबूत होती है। मूंगफली में मौजूद पोषक तत्वों से शरीर को विटामिन डी और कैल्शियम मिलता है। बादाम के बदले इसका आसानी से सेवन कर सकते हैं।

हार्मोन को करें बैलेंस

जब महिला और पुरुषों में हार्मोंस अनबैलेंस्ड हो जाते हैं तब कई प्रकार की शारीरिक समस्या होती है। इसलिए महिला और पुरुष को रोज एक मुट्ठी मूंगफली का सेवन करना चाहिए।

कैंसर से बचाएं

मूंगफली में एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है जिसका नाम है पॉलीफिनॉलिक। इसके सेवन से पेट के कैंसर का खतरा कम हो जाता है। सप्ताह में 1 बार मूंगफली के साथ मक्खन का सेवन करना चाहिए।

झुर्रियों को हटाए

मूंगफली खाने से झुर्रियां कम होती है। इसमें मौजूद तत्व चेहरे पर बारीक रेखा और झुर्रियों को बनने से रोकती है।

डायबिटीज को करें नियंत्रित

मूंगफली का सेवन करने से डायबिटीज की आशंका कम होती है। रोज अपनी डाइट में इसे जरूर शामिल करना चाहिए। ताकि घातक बीमारियों से बचा जा सकें।

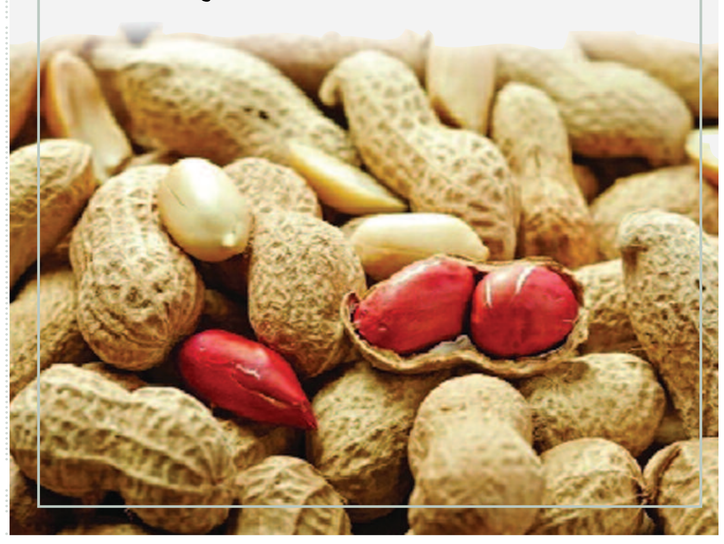

तलाक कंफर्म! 5 साल बाद टूटी युजवेंद्र धनश्री की शादी

क्रिकेटर युजवेंद्र चहल और कोरियोग्राफर धनश्री वर्मा का तलाक हो गया है, कोर्ट ने दोनों के तलाक पर अंतिम मुहर लगा दी है। पिछले 2 साल से दोनों अलग रह रहे थे और अब कोर्ट ने इन दोनों का डिवोर्स कंफर्म कर दिया है। एक और खूबसूरत प्रेम कहानी का अंत हो गया है, क्रिकेटर युजवेंद्र चहल और कोरियोग्राफर धनश्री वर्मा का तलाक फाइनल हो गया है। शादी के करीब 5 साल बाद चहल और धनश्री ने एक-दूसरे से तलाक ले लिया है और दोनों पति-पत्नी नहीं हैं, कोर्ट ने दोनों के तलाक पर अंतिम मुहर लगा दी है। पिछले 2 साल से दोनों अलग रह रहे थे और अब दोनों ऑफिशियली अलग हो गए हैं। कोर्ट से बाहर आते हुए धनश्री और चहल ने अपने चेहरे छुपाए रखे थे और कपल का कोर्ट से निकलते हुए वीडियो इंटरनेट पर वायरल भी हो रहा है। चलिए धनश्री और चहल के प्रेम कहानी से लेकर उनके डिवोर्स तक हर पहलू पर बात करते हैं। धनश्री वर्मा और युजवेंद्र चहल का तलाक हो गया है और अब दोनों के रास्ते हमेशा के लिए अलग हो गए हैं। कोर्ट से निकलते वक्त चहल से मीडिया ने काफी सवाल पूछे कि वो तलाक पर क्या कहना चाहते हैं और सुनवाई में क्या हुआ? मगर क्रिकेटर इस दौरान पैपराजी को इग्नोर करते हुए आगे चले गए। हालांकि सुनवाई के बाद वकील ने पैपराजी के सवालों का जवाब देते हुए कहा, ह्यकोर्ट ने दोनों को तलाक दे दिया है, दोनों ने म्यूचुअल कंसेंट से डिवोर्स लेने के लिए कहा था उसे कोर्ट ने एक्सेप्ट कर लिया। दोनों अब पति पत्नी नहीं हैं।धनश्री वर्मा और युजवेंद्र चहल ने दिसंबर 2020 को शादी रचाई थी और क्रिकेटर की शादी लोगों के लिए काफी शॉकिंग थी। अचानक से चहल ने धनश्री से शादी कर सबको चौंका दिया था और मगर शादी के कुछ समय बाद दोनों के रिश्ते में दरार की खबरें सामने आने लगी थीं। हालांकि हर बार इन दोनों अपनी रोमांटिक तस्वीरों से रूमर्स का मुंह बंद कर दिया। लेकिन अब युजवेंद्र और धनश्री की शादी आखिरकार 5 साल बाद हमेशा के लिए टूट गई है। दोनों करीबन 2 साल से अलग रह रहे थे और अब कोर्ट ने इनके तलाक पर अपनी मुहर लगा दी है। चहल और धनश्री की लव स्टोरी लॉकडाउन में शुरू हुई थी, जब सब लोग घर में ही थे। उस समय खाली समय में क्रिकेटर ने धनश्री की ऑनलाइन डांस क्लास ज्वाइन करने का फैसला लिया था। यहां से ही इन दोनों की बातचीत शुरू हुई थी और डांस सीखते और सिखाते दोनों जल्द ही दोस्त बन गए। दोस्ती फिर प्यार में बदल गई और जल्द ही दोनों ने शादी भी कर ली है। ऐसे डांस ने धनश्री और चहल की जोड़ी बनाई थी, लेकिन अब इन दोनों के रास्ते अलग-अलग हो गए हैं।

रिलीज से पहले ही 'सिकंदर' का धमाल, यूएसए में एडवांस बुकिंग से मेकर्स हुए मालामाल

सलमान खान की अपकमिंग मूवी सिकंदर का हर किसी को बेसब्री से इंतजार है। हाल ही में फिल्म की रिलीज डेट भी आउट हो गई है। भाईजान की ये मूवी 30 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। वहीं मूवी ने रिलीज होने से पहले ही मेकर्स को मालामाल कर दिया है। यूएसए में फिल्म की एडवांस बुकिंग शुरू हो गई है। हालांकि अभी तक भारत में एडवांस बुकिंग शुरू नहीं की गई है। आइए आपको भी बताते हैं यूएसए में फिल्म ने रिलीज से पहले कितने नोट छापे हैं? ईटाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार मूवी ने अमेरिका में 13 लाख 86 हजार की कमाई की है। मूवी को 504 शोज मिले हैं। वहीं ये सिर्फ पहले दिन की कमाई के आंकड़े हैं। इससे अनुमान लगाया जा रहा है कि आने वाले समय में आंकड़े बढ़ने वाले हैं। रिलीज से पहले ही यूएसए के बॉक्स ऑफिस पर अच्छी शा-रूआत से लग रहा है कि ये मूवी पुष्पा और छावा का रिकॉर्ड तोड़ सकती है।

हालांकि भारत में फैंस अभी इसकी एडवांस बुकिंग पर नजर टिकाए बैठे हैं। फिल्म के डायरेक्टर ने हाल ही में मूवी के बारे में कुछ खुलासे किए थे। जिसमें उन्होंने बताया था कि मूवी 2 घंटे 20 मिनट की होगी। साथ ही उन्होंने ये भी बताया था कि मूवी में आपको कुछ सरप्राइज भी देखने को मिलेगा।

अब फैंस के बीच हलचल शुरू हो गई है और वो 30 मार्च का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। मूवी की एक और दिलचस्प चीज सामने आ रही है। शुक्रवार की जगह ये मूवी सिनेमाघरों में रविवार को दस्तक देने जा रही है। ईद के मौके पर अब इस मूवी को कितना फायदा होता है ये तो मूवी के रिलीज होने के बाद ही क्लीयर हो जाएगा। वहीं मूवी की कास्ट की बात करें तो सलमान खान के साथ लीड रोल में रश्मिका मंदाना नजर आएंगी। सलमान और रश्मिका के साथ-साथ मूवी में शरमन जोशी, काजल अग्रवाल, सुनील शेट्टी, प्रतीक बब्बर और सत्यराज भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। वहीं मूवी के तीन गाने जोहरा जबीं, बम बम भोले और सिकंदर नाचे रिलीज हो चुके हैं। इन गानों को फैंस का खूब प्यार भी मिल रहा है।

क्या सच में करण कुंद्रा से शादी करेंगी तेजस्वी प्रकाश या फिर पीआर स्टंट है? एक्ट्रेस की मां ने दिया जवाब

टीवी का स्टार कपल करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश के फैंस के लिए एक गुड न्यूज है. खबर है कि यह बिग बॉस कपल शादी करने जा रहा है, जिन फैंस को इस खूबसूरत कपल की शादी का इंतजार है, उनका इंतजार अब खत्म होने जा रहा है. करण और तेजस्वी बिग बॉस 15 के घर में मिले थे और अब अपना घर बसाने जा रहे हैं. करण और तेजस्वी बीते चार साल से रिलेशनशिप में हैं और हर खुशी के मौके व त्योहार पर कपल साथ में एन्जॉय कर फैंस के लिए तस्वीरें शेयर करता रहता है. अब टीवी की 'नागिन' तेजस्वी की मां ने उनकी शादी पर बड़ा राज खोला है.

कब होगी करण-तेजस्वी की शादी?

दरअसल, तेजस्वी इन दिनों स्टार्स कुकिंग कंपटीशन शो सेलिब्रिटी मास्टरशेफ में दिख रही हैं. यहां हाल ही में तेजस्वी की मां पहुंची थीं और उनसे शो की जज और पॉपुलर कोरियोग्राफर फराह खान ने उनकी शादी के बारे में पूछ लिया. तेजस्वी की मां ने फराह खान के सवाल पर कहा, इसी साल उनकी बेटी की शादी हो जाएगी. इसके बाद फराह ने तेजस्वी को शादी की कंफर्मेशन के लिए बधाई दी. इस पर तेजस्वी ने कहा ऐसा कुछ भी नहीं है. तेजस्वी की मां का यह बयान अब टीवी जगत और उनके फैंस के बीच तेजी से वायरल हो रहा है.

तेजस्वी ने भी दिया था शादी का हिंट

इससे पहले तेजस्वी ने भी अपनी शादी को लेकर बड़ा हिंट दिया था. तेजस्वी ने कहा था, वह करण संग कोर्ट मैरिज करेंगी, वह बिग सेलिब्रेशन के साथ नहीं बल्कि एक नॉर्मल शादी करना चाहती हैं, शादी के बाद वह घूमेंगी, फिरेंगी और पति संग ऐश करेंगी. बता दें, साल 2021 में करण और तेजस्वी की मुलाकात बिग बॉस 15 के घर में हुई थी. करण ने कहा था कि वह तेजस्वी को देखते ही उनपर फिदा हो गए थे. इसके बाद से दोनों साथ में हैं.

पति ने लगाए घरेलू हिंसा और चीटिंग के आरोप, अब टीवी एक्ट्रेस ने तोड़ी चुप्पी, बताया सीक्रेट वेडिंग का सच

टीवी एक्ट्रेस अदिति शर्मा ने चोरी छिपे अभिनीत कौशिक से शादी की. लेकिन उनकी शादी ज्यादा समय तक नहीं चल पाई और पति ने एक्ट्रेस पर चीटिंग और घरेलू हिंसा के गंभीर आरोप लगाए. लेकिन अब अदिति शर्मा ने इंडिया फोरम्स को दिए इंटरव्यू में इस मामले में चुप्पी तोड़ी है. एक्ट्रेस ने साफ किया कि उन्होंने कभी यह दावा नहीं किया कि अभिनीत कौशिक के साथ उनकी शादी एक ह्लनकली शादीह्व थी. उन्होंने कहा, ह्लहां, यह एक निजी समारोह था, लेकिन यह कोई सीक्रेट शादी नहीं थी. मेरे परिवार, मेरे करीबी दोस्त, मेरे रिश्तेदार इसके बारे में जानते थे. यह कोई सीक्रेट बात नहीं थी, बल्कि यह निजी थी. मेरा करियर अच्छा है और हमने सोचा कि इस समय अचानक इसे पब्लिक करना ठीक नहीं होगा, क्योंकि मैं उस समय अपोलिना की शूटिंग भी कर रही थी और शो में मेरा किरदार 18 साल की लड़की का था. इसलिए हम दोनों ने इसे सार्वजनिक रूप से उजागर न करने का फैसला किया.अदिति शर्मा ने खुलासा किया कि शादी के एक महीने बाद ही उन्हें "असहनीय मैरिटल विवादों" का सामना करना पड़ रहा था. उन्होंने कहा, "मुझे बहुत सारे दुर्व्यवहार और अन्य चीजों का सामना करना पड़ रहा था, जिनका मैं अभी खुलासा नहीं कर सकती क्योंकि यह अदालत में आगे बढ़ने वाला है. इसलिए मैंने डिवोर्स की मांग की और मैं इसे बहुत शांतिपूर्ण तरीके से चाहती थी. दोनों परिवारों ने बात की और फैसला किया कि हमें सौहार्दपूर्ण तरीके से अलग हो जाना चाहिए. उसने कई बार हमारे दोस्तों के सामने मेरा और मेरे परिवार का अपमान किया है.अभिनीत कौशिक द्वारा लगाए गए आरोपों का खंडन करते हुए अदिति शर्मा ने कहा, "मैंने कभी भी उनके परिवार का अपमान नहीं किया. मैं वास्तव में अपने वकीलों द्वारा इस बारे में बात न करने के लिए बाध्य हूं. लेकिन, घरेलू दुर्व्यवहार मेरी तरफ से नहीं था. मैं बस इतना ही कह सकती हूं. यह मेरी तरफ से नहीं था. मैं वास्तव में उससे प्यार करती थी. मैं सच बोलूंगी और मैं इसे नहीं छिपाऊंगी. वर्कफ्रंट की बात करें तो अदिति शर्मा को आखिरी बार सीरियल अपोलोना में देखा गया था. वह स्टंट बेस्ड रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी 14 का भी हिस्सा रह चुकी हैं.

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक अमृता आर पंडित द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस, बी- 868, न्यू अशोक नगर दिल्ली 110096 से मुदित तथा ए-115, गली नंबर 13, नई अशोक नगर, दिल्ली 110096 से प्रकाशित।
संपादक - अमृता आर पंडित, मो 8587969284, Mail ID - live18newsnetworktv@gmail.com सभी विवादों के न्याय क्षेत्र दिल्ली न्यायालय में होगा।